वर्ष : 33 ▸ अंक : 253 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शुक्रवार, 29 नवंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

मध्य प्रदेश-राजस्थान की तरह महाराष्ट्र में होगा खेल ● अमित शाह लगाएंगे नए मुख्यमंत्री के चेहरे पर मुहर

महायुति खेल रही मीटिंग-मीटिंग

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा और झारखंड विधानसभा चुनाव का परिणाम एक ही दिन आया था, लेकिन झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ ले ली। वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र में अभी भी मुख्यमंत्री पद के लिए मीटिंगों का दौर चल रहा है। मुख्यमंत्री का चेहरा फिक्स नहीं हो पा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक से पहले देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार की मीटिंग हुई। ये मीटिंग दिल्ली में सुनील तटकरे के आवास पर हुई। इसके बाद अमित शाह के साथ महायुति (बीजेपी, शिवसेना एकनाथ शिंदे और अजित पवार) के नेताओं की बैठक होगी। इसमें एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार मौजूद रहेंगे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा किसी नए चेहरे को मुख्यमंत्री बना सकती है। सियासी जानकारों का मानना है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश का वाकया भाजपा महाराष्ट्र में भी दोहरा सकती है। गौरतलब है कि इन राज्यों में मुख्यमंत्री की रेस कई दिग्गज सियासी सूरमा थे, लेकिन भाजपा ने पीछे की लाइन से मुख्यमंत्री चयन कर सबको चौका दिया था।

इन तीनों राज्यों पीछे से उठाकर बनाया मुख्यमंत्री

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर विधानसभा चुनाव लड़ा गया था। इसके बावजूद नरोत्तम मिश्रा और कैलाश विजयवर्गीय भी मुख्यमंत्री के रेस में थे, लेकिन भाजपा ने ओबीसी समुदाय से आने वाले RSS बैकग्राउंड वाले मोहन यादव को मध्य प्रदेश की कमान सौंप दी। वहीं इसी तरह राजस्थान में और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार थे, लेकिन जिन नामों की बिल्कुल चर्चा नहीं थी भाजपा उनका ही चुनाव किया। राजस्थान में भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया तो वहीं छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता विष्णु देव साय को राज्य की कमान सौंप दी।

अमित शाह के साथ महायुति के नेताओं की बैठक

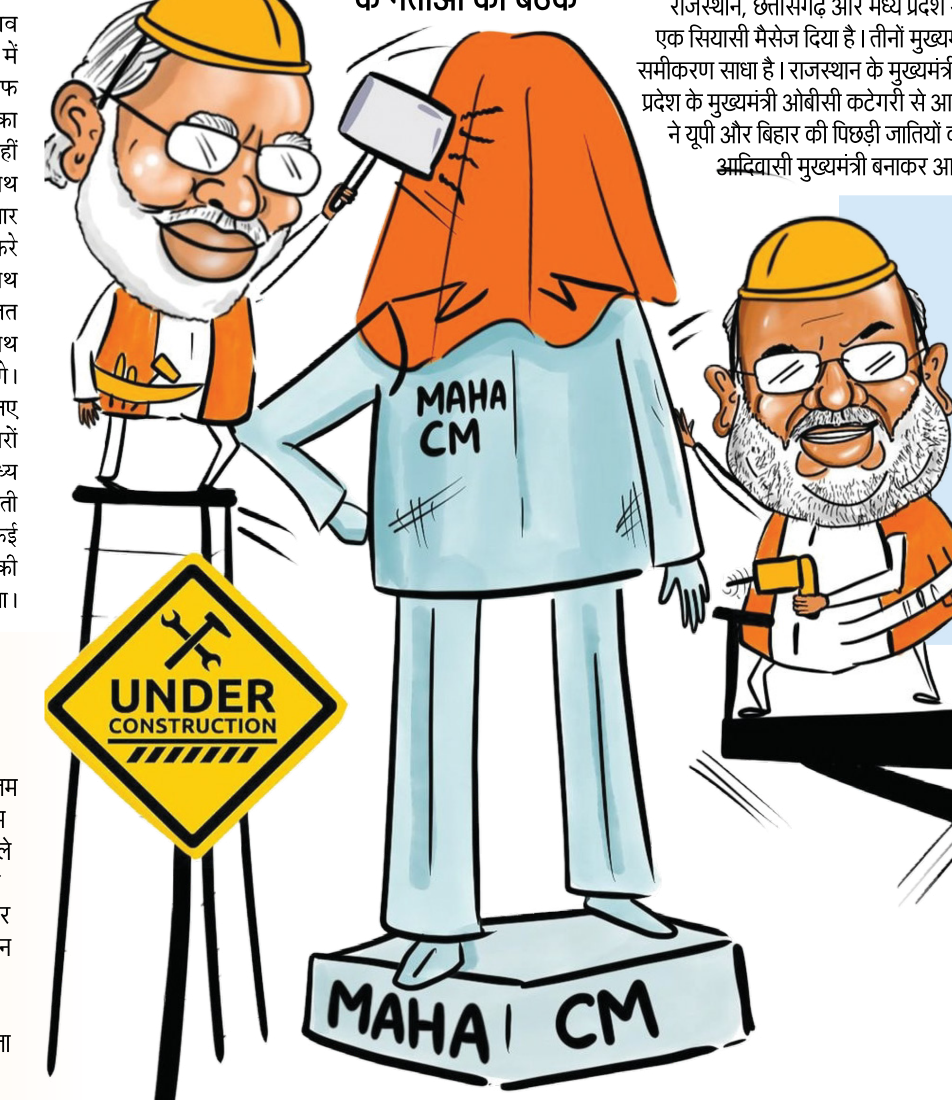

जातीय समीकरण साध दिया सियासी संदेश

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्रियों के चयन से भाजपा ने देश को एक सियासी मैसेज दिया है। तीनों मुख्यमंत्री अलग-अलग कटेगरी से बनाकर जातीय समीकरण साधा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री कथित सवर्ण ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ओबीसी कटेगरी से आते हैं। मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यूपी और बिहार की पिछड़ी जातियों को मैसेज दिया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर आदिवासी हितैषी बताने की कोशिश की है।

महाराष्ट्र में मराठा चेहरे पर विचार

महाराष्ट्र में सरकार गठन की प्रक्रिया को कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बीच आज रात लगभग 9 बजे दिल्ली में होने वाली महत्वपूर्ण बैठक के बाद गति मिलने की संभावना है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह बैठक महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि ऐसी खबरें आई हैं कि फडणवीस का तीसरी बार मुख्यमंत्री बनना तय समझे जाने की धारणा के बावजूद भाजपा नेतृत्व अपने कुछ मराठा नेताओं के नामों पर भी विचार कर रही है।

सदैव मुख्यमंत्री मुंबई में देवेंद्र फडणवीस के आवास के बाहर लगे पोस्टर

मुंबई में देवेन्द्र फडणवीस के सरकारी आवास 'सागर' बंगले के बाहर कुछ पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। पोस्टर में लिखा हआ है कि 'फडणवीस को महाराष्ट्र का स्थायी मुख्यमंत्री' घोषित किया जाए। इस बैनर को भजपा कार्यकर्ताओं ने लगाया है। बैनर में फडणवीस को शपथ लेते हुए भी दिखाया गया है। उनमें एक प्रतीकात्मक शपथ का संदर्भ देते हुए एक कैप्शन शामिल किया गया है।

दोपहर विश्लेषण

जब-जब मुख्यमंत्री चुनने में बीजेपी को लगे 72 घंटे, तब-तब सरप्राइज चेहरे की हुई एंट्री

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी का ही बनेगा, लेकिन चेहरे को लेकर सस्पेंस कायम है। दिल्ली से लेकर मुंबई तक कई नाम सीएम पद की दौड़ में शामिल हैं, लेकिन 2014 के बाद मुख्यमंत्री के चयन में जब-जब भी बीजेपी ने 72 घंटे से ज्यादा का वक्त लगाया है, तब-तब सीएम की कुर्सी पर सरप्राइज चेहरे की एंट्री हुई है। ऐसे में महाराष्ट्र को लेकर भी कई तरह की अटकलें लग रही है। यहां भी 72 घंटे से ज्यादा का वक्त बीत चुका है।

- 2024 में बीजेपी को ओडिशा में सरकार बनाने का मौका मिला। यहां बीजेपी को सीएम चुनने में 8 दिन का वक्त लग गया। पार्टी ने आखिर में मोहन माझी के नाम पर मुहर लगाई। माझी आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। ओडिशा में मुख्यमंत्री पद के लिए धर्मेंद्र प्रधान और मनमोहन सांबल जैसे प्रमुख दावेदार थे, लेकिन मोहन माझी के रूप में सरप्राइज चेहरे की एंट्री हुई।
- 2023 के आखिर में बीजेपी को राजस्थान की भी सत्ता मिली। यहां भी मुख्यमंत्री पद को लेकर माथापच्ची होने में 9 दिन का वक्त लग गया। आखिर में भजनलाल शर्मा के नाम पर सहमति बनी। पहली बार विधायक चुने गए शर्मा राजस्थान बीजेपी के महासचिव थे। 2023 में राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा राजे, किरोड़ी लाल मीणा जैसे बड़े दावेदार थे।
- 2023 में बीजेपी ने मध्य प्रदेश की सत्ता में भी वापसी की। उस वक्त मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान थे। चौहान ही सीएम पद के फ्रंटरनर भी थे, लेकिन आखिर वक्त में उनका पत्ता कट गया। शिवराज की जगह मोहन यादव को सीएम की कुर्सी मिली। मोहन यादव उस वक्त सीएम पद की रेस में भी नहीं थे। मध्य प्रदेश में बीजेपी को मुख्यमंत्री चुनने में 8 दिन का वक्त लगा था।
- 2023 के आखिर में बीजेपी को छत्तीसगढ़ में जीत मिली। पार्टी में मुख्यमंत्री पद के लिए रमन सिंह और अरुण साव जैसे प्रमुख दावेदार थे, लेकिन बीजेपी ने सबको चौंकाते हुए सीएम की कुर्सी विष्णुदेव साय को सौंप दी। छत्तीसगढ़ में बीजेपी को सीएम चुनने में 7 दिन का वक्त लगा था।
- 2017 में बीजेपी को देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में जीत हासिल की। सरकार पूर्ण बहुमत की थी, इसलिए सबकी निगाहें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर लगी थी। सीएम पद के लिए रेस में मनोज सिन्हा, केशव प्रसाद मौर्य जैसे बड़े नाम शामिल थे। बीजेपी को उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री चुनने में 9 दिन का वक्त लग गया।
- जब बीजेपी ने यूपी में सीएम का चेहरा घोषित किया, तो सियासी जानकार चौंक गए। बीजेपी ने तत्कालीन गोरखपुर के सांसद योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी।
- 2014 में बीजेपी महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। शरद पवार की एनसीपी ने उसे बाहर से समर्थन दे दिया। इस साल बीजेपी को सरकार गठन की कवायद में 7 दिन लग गए। दिल्ली से जब राजनाथ सिंह पर्यवेक्षक बनकर गए, तब विधायक दल की बैठक हुई। विधायक दल की मीटिंग में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया। फडणवीस उस वक्त बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष थे। फडणवीस की एंट्री सरप्राइज चेहरे के तौर पर हुई थी। बीजेपी में उस वक्त नितिन गडकरी, विनोद तावड़े और पंकजा मुंडे मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे।
- महाराष्ट्र के साथ हरियाणा का भी रिजल्ट आया था। हरियाणा में भी बीजेपी सत्ता में आई थी। यहां भी सीएम चुनने में बीजेपी को 7 दिन से ज्यादा का वक्त लग गया था। जब सीएम चयन की बारी आई तो मनोहर लाल खट्टर ने अनिल विज और रामविलास शर्मा जैसे नेताओं को पीछे छोड़ दिया। खट्टर की यह सरप्राइज एंट्री थी।
- 2017 में यूपी के साथ ही उत्तराखंड में भी बीजेपी को जीत मिली थी। मुख्यमंत्री पद के लिए उस वक्त भगत सिंह कोश्यारी, बीसी खंडूरी और रमेश पोखरियाल निशंक जैसे बड़े नाम रेस में शामिल थे। बीजेपी को उत्तराखंड में सरकार गठन की कवायद में 8 दिन का वक्त लग गया। चुनाव परिणाम आने के 8 दिन बाद देवभूमि की बागडोर त्रिवेंद्र सिंह रावत को सौंप दी। इस पद पर रावत की एंट्री सरप्राइज थी।
- 2017 के अंत में हिमाचल में विधानसभा के चुनाव हुए। यहां भी मुख्यमंत्री चुनने में बीजेपी को 7 दिन का वक्त लग गया। दिलचस्प बात है कि यहां जिनके नाम की घोषणा हुई, वो भी सरप्राइज ही थे। बीजेपी ने प्रेम धूमल, जेपी नड्डा जैसे नेताओं को दरकिनार कर जयराम ठाकुर को सीएम की कुर्सी सौंप दी। ठाकुर 2017 से 2022 तक मुख्यमंत्री रहे।

फिर मिली पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी

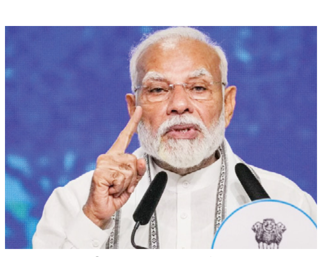

▸▸ मुंबई पुलिस को आया फोन, महिला गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुरुवार को जान से मारने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में धमकी भरा फोन आया था। मामले में पुलिस ने एक 34 साल की महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि महिला मानसिक रूप से अस्थिर है। उसने शरारत में फोन किया था। महिला का कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड भी नहीं है। मामले की जांच जारी है।

मोदी को 6 साल में तीन धमकियां मिलीं

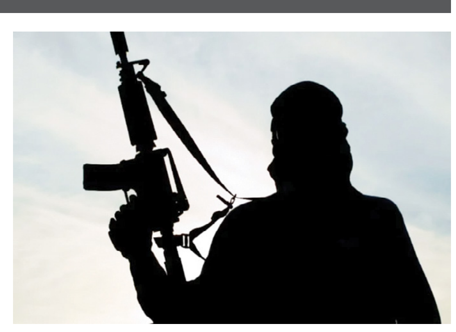

2023 : हरियाणा के एक शख्स ने वीडियो वायरल करते हुए मोदी को गोली मारने की धमकी दी थी। वीडियो में युवक ने खुद को हरियाणा का बदमाश और गांव मोहाना, सोनीपत का रहने वाला बताया था। वीडियो में उसने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे सामने आ जाएं तो मैं गोली मार दूंगा।

2022: PM मोदी को जेवियर नाम के एक शख्स ने धमकी दी थी। जेवियर ने केरल भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को भेजे खत में जान से मारने की धमकी देते हुए लिखा था- मोदी का हाल राजीव गांधी जैसा होगा। उस वक्त PM केरल दौरे पर जा रहे थे। बाद में पुलिस ने धमकी देने वाले को अरेस्ट कर लिया था।

2018: महाराष्ट्र के मोहम्मद अलाउद्दीन खान नाम के शख्स ने फेसबुक पेज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो जान से मारने की धमकी दी थी। उसने खुद को आतंकी संगठन जैश-ए -मोहम्मद का सदस्य बताते हुए देश के पांच प्रमुख शहरों में विस्फोट करने की बात कही थी। शख्स ने प्रतिबंधित संगठन ISIS के झंडे की फोटो भी डाली थी।

NIA कोर्ट ने 3 और बांग्लादेशियों को भेजा जेल

बांग्लादेशी आतंकियों को देते थे पनाह

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) कोर्ट ने गुरुवार को तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पांच साल की सजा सुनाई है। एनआईए की विशेष अदालत के आदेश के बाद तीनों बांग्लादेशी को जेल भेज दिया गया है। इन पर पुणे में बांग्लादेश के आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के आतंकियों को शरण देने का आरोप था। इसके साथ ही इस मामले में सजा पाने वालों की संख्या पांच पहुंच गई है।

5 साल कैद के साथ 2 हजार रुपये का जुर्माना

एनआईए कोर्ट से सजा पाने वाले दोषियों में मोहम्मद हबीबुर्रहमान हबीब उर्फ राज जेसुब मंडल, हन्नान अनवर हुसैन खान (उर्फ हन्नान बाबुराली गाजी), और मोहम्मद अजराली सुब्हानल्लाह (उर्फ राजा जेसुब मंडल) शामिल हैं। तीन बांग्लादेशी नागरिकों को आईपीसी और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया है। आरोपियों पर 5 साल कैद के साथ 2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एबीटी के सरगना को दी शरण

उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के जरिए पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड जैसे फर्जी भारतीय पहचान पत्र मुहैया करवाए गए। इन दस्तावेजों का इस्तेमाल वे सिम कार्ड लेने, बैंक खाते खोलने और भारत में नौकरी पाने के लिए कर रहे थे। एनआईए की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपियों ने एबीटी के कई सदस्यों, जिनमें एक मुख्य सदस्य समद मिया उर्फ तनवीर उर्फ सैफुल उर्फ तुषार बिस्वास शामिल था, इसको शरण और फाइनेंशियली मदद दी।

भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करके आए थे

मुंबई की एनआईए कोर्ट ने इस मामले (RC-01/2018/NIA/MUM) में अब तक कुल पांच आरोपियों को दोषी ठहराया जा चुका है। इससे पहले अक्टूबर 2023 में रिपेन हुसैन उर्फ रुबेल और मोहम्मद हसन अली मोहम्मद आमिर अली को भी पांच साल कैद की सजा सुनाई गई थी। यह मामला सबसे पहले मार्च 2018 में पुणे पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि पुणे में कई बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। पुलिस को जानकारी मिली कि ये एबीटी के सदस्यों को लॉजिस्टिक मुहैया कर मदद और शरण दे रहे हैं। पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे स्थित धोबीघाट, भैरोबा नाला इलाके से हबीब को पकड़ा था। बाद में कुल पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। मई 2018 में एनआईए ने मामले की जांच अपने हाथ में ली। जांच में पता चला कि गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करके आए थे।

एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने पार्टी को फिर से राष्ट्रीय राजनीतिक ताकत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया

एनसीपी के राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की योजना

मुनीब चौरसिया | मुंबई/नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद अब अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) ने अपनी अगली रणनीति की योजना बना ली है। NCP प्रमुख अजित पवार ने गुरुवार को पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने की बात कही। यह बात उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मिली बड़ी सफलता के बाद कही। दिल्ली में हुई NCP की बैठक में अजित पवार ने पार्टी को फिर से राष्ट्रीय राजनीतिक ताकत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कैसे पार्टी पहले राष्ट्रीय स्तर पर थी और अब उसे वापस उस मुकाम तक पहुंचाना है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को आगे लाने की भी बात कही। पवार ने EVM पर सवाल उठाने वाले विपक्ष पर भी निशाना साधा। NCP सांसद प्रफुल्ल पटेल ने भी पार्टी की प्रगति की बात करते हुए कहा कि अब तीन राज्यों में पार्टी की पहचान बन चुकी है। उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव में NCP के उतरने का ऐलान भी किया।

NCP को फिर से राष्ट्रीय पार्टी बनाने की तैयारी

NCP प्रमुख अजित पवार ने दिल्ली में पार्टी की बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की जरूरत पर जोर दिया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में पार्टी की अच्छी प्रदर्शन के बाद यह बैठक हुई थी। पवार ने कहा कि NCP को फिर से राष्ट्रीय पार्टी बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। हमारी पार्टी कभी राष्ट्रीय पार्टी थी। उस दर्जे को वापस पाने के लिए हमें अब और अधिक मेहनत करने की ज़रूरत है। हम लड़ेंगे और हम सफलता हासिल करेंगे।

दिसंबर के बाद होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

पवार ने दिसंबर के बाद एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की योजना की भी घोषणा की। इस सम्मेलन में पार्टी के भीतर जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। जो कोई भी परिणाम देने की क्षमता प्रदर्शित करेगा उसे अवसर दिए जाएंगे। हम युवा पीढ़ी को आगे लाना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि महिलाओं को पूरे अवसर मिलें। महाराष्ट्र में महिलाओं ने महायुति गठबंधन को मजबूत समर्थन दिखाया है। यह चुनाव पहली बार है जब किसी भी गठबंधन से इतनी बड़ी संख्या में विधायक चुने गए हैं।

70 लाख की मेफेड्रोन ड्रग के साथ नाइजीरियाई महिला गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक विदेशी महिला को नशे की खेप के साथ गिरफ्तार कर लिया। मुंबई पुलिस के मुताबिक, ड्रग्स के साथ पकड़ी गई महिला से पूछताछ की जा रही है। यह जानकारी गुरुवार को मुंबई पुलिस ने साझा की। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने 34 वर्षीय नाइजीरियाई महिला को 70 लाख रुपये के मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला का नाम इम्मा स्टेला है। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि आरोपी नाइजीरियाई महिला इम्मा स्टेला को महानगर के दक्षिणी हिस्से में अग्रीपाड़ा के वाईएमसीए रोड से एक गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उसके पास से नशे की खेप जब्त की गई और उसके दस्तावेज भी जांचे गए।

पूजा खेड़कर की अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को बर्खास्त आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेड़कर की अग्रिम जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। उन पर 2022 की सिविल सेवा परीक्षा में कथित रूप से धोखाधड़ी करने और ओबीसी तथा दिव्यांगता कोटे का गलत लाभ उठाने का आरोप है।

न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह ने कहा कि इस दौरान उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा। दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता यूपीएससी के वकील द्वारा अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया। खेडकर पर आरक्षण का लाभ पाने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा,

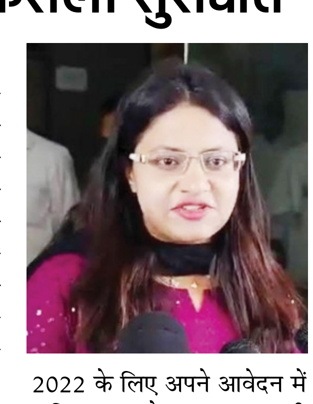

2022 के लिए अपने आवेदन में कथित रूप से गलत जानकारी प्रस्तुत करने का आरोप है। उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया है। सुनवाई के दौरान खेडकर के वकील ने तर्क दिया कि वह जांच में शामिल होने और सहयोग करने को तैयार हैं और चूंकि सभी सामग्री दस्तावेजी प्रकृति की है, इसलिए उनकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पूर्व ASI का मर्डर

आरोपी ने पुलिस को फोन कर कुबूल किया अपना जुर्म

डीबीडी संवाददाता संवाददाता | सिंधुदुर्ग

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में एक शख्स ने बहसबाजी के बाद पहले एक पूर्व सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (ASI) की हत्या कर दी। और वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खुद पुलिस को फोन करके अपना गुनाह कुबूल कर लिया। मृतक पूर्व पुलिसकर्मी आरोपी का रिश्तेदार था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 55 वर्षीय पूर्व सहायक पुलिस उपनिरीक्षक विनोद आचरेकर के तौर पर हुई है। आरोपी सिद्धिविनायक ने किसी बात पर बहस हो जाने के बाद आचरेकर की हत्या कर दी और फिर पुलिस को फोन कर बताया कि उसने कत्ल कर दिया है।

मुंबई पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत थे आचरेकर

सिंधुदर्ग पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि घटना सुबह उस वक्त सामने आई, जब आरोपी सिद्धिविनायक पेडनेकर (24) ने सिंधुदुर्ग पुलिस नियंत्रण कक्ष को उनके नंबर 112 पर फोन किया और बताया कि उसने अपने रिश्तेदार की हत्या कर दी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मृतक विनोद आचरेकर मुंबई पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत थे। कुछ साल पहले उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) ले लिया था। पिछले कुछ वर्षों से वह मुंबई से लगभग 475 किलोमीटर दूर तटीय जिले के कंकावली तालुका के अंतर्गत अपने पैतृक गांव कोलशिवारची वाडी में रह रहे थे।

आरोपी हुआ गिरफ्तार

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार की शाम को आचरेकर ने अपने रिश्तेदार पेडनेकर को अपने घर पर डिनर के लिए बुलाया था, जहां उन्होंने शराब भी पी थी। डिनर के दौरान आचरेकर और उनके रिश्तेदार के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई। उन्होंने बताया कि बहस ने तब और तूल पकड़ लिया जब पेडनेकर ने कुदाल उठाकर आचरेकर पर हमला कर दिया, जिससे आचरेकर के सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि सुबह पेडनेकर ने खुद ही पुलिस को हत्या की सूचना दी, जिसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची और आचरेकर को बेसुध पड़ा पाया। उन्होंने बताया कि मेडिकल जांच के बाद पूर्व पुलिसकर्मी को मृत घोषित कर दिया गया। इस सिलसिले में कंकावली पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया और आरोपी पेडनेकर को गिरफ्तार कर लिया गया।

अवैध निर्माण पर भिवंडी मनपा का चला हथौड़ा

भिवंडी। अनाधिकृत निर्माण हटाने को लेकर प्रशासक और कमिश्नर के सख्त रुख का असर शहर में तुरंत दिखने लगा। प्रशासक एवं आयुक्त अजय वैद्य ने अनाधिकृत निर्माण हटाने को लेकर समीक्षा बैठक में सभी वार्ड पदाधिकारियों को आड़े हाथों लिया था। इसका दृश्य प्रभाव तत्काल दिखाई देने लगा। वार्ड समिति संख्या 4, सहायक आयुक्त और वार्ड अधिकारी सुनील भोईर, अपने कार्य क्षेत्र में, नारपोली-2, मकान नंबर 853/0, सीताराम पाटिल के भवन के बगल में, नारपोली-2, भिवंडी, आरसीसी ग्राउंड फ्लोर के लिए अनाधिकृत रूप से सेंटरिंग के निर्माण पर जेसीबी द्वारा कार्रवाई की गई।

जारी किए गए थे नोटिस

उक्त अनाधिकृत निर्माण पर वार्ड समिति नं. 04 डी.पी.एल. कार्यालय से नियम के अनुसार नोटिस जारी किये गये थे। यह निष्कासन कार्यवाही रोहिदास दोरकुलकर, उपायुक्त अनधिकृत निर्माण की देखरेख में सुनील भोईर, सह आयुक्त वार्ड समिति नं. 4, अमोल वारघड़े, बीट इंस्पेक्टर पी.एस. नं.4, शहजाद अंसारी, अधिकारी पी.एस. क्रमांक 4, साथ ही नगरपालिका कर्मचारियों के माध्यम से किया गया था। आगे से भी अनाधिकृत निर्माणों को हटाने की कार्रवाई तेज की जाएगी। उक्त संदर्भ में श्रीकांत परदेशी, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी भिवंडी निजामपुर शहर मनपा ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा बताया कि प्रशासक एवं आयुक्त ने कहा कि अवैध निर्माण के विरुद्ध तोड़ू करवाई को आगे और तीव्र किया जाएगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि शहर में कोई भी अनधिकृत निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।।

विधायक महेश चौघुले ने आयुक्त अजय वैद्य से की मुलाकात

भिवंडी पश्चिम के विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

भिवंडी । भिवंडी पश्चिम विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत महापालिका क्षेत्र में हो रहे शिक्षा के गिरते स्तर, स्वास्थ ,पानी की किल्लत , रोड वाईडिंग , रोड लाइट, सड़कों की दुर्दशा,ट्रैफिक जाम, शहर के विकास, साफ सफाई, अवैध निर्माण कार्य को रोकने जैसे कई मुद्दों को लेकर भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले ने मनपा आयुक्त वा प्रशासक अजय वैद्य से मुलाकात कर विस्तार से लंबी चर्चा की।

इस दौरान आयुक्त अजय वैद्य ने भाजपा से तीसरी बार विधायक बने महेश चौगुले का शाल और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत कर जीत की बधाई दी।

संबंधित अधिकारियों को जनता की सभी समस्याओं को हल करने के आदेश

विधायक चौघुले के सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और उसपर अमल करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को जनता की सभी समस्याओं को हल करने के आदेश दिए। इस दौरान मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने कहा कि भिवंडी में पीने के पानी के संकट को हल करने के लिए शासन की 100 एमएलडी पानी की योजना को जल्द पूरा करने हेतु तेजी से कम शुरू किया गया है, जिसमें विधायक चौगुले ने शासन स्तर पर हर सहयोग देने का आश्वासन दिया है। सड़क निर्माण कार्य के लिए रोड वाइंडिंग करने के कार्य को जल्द शुरू कर सड़क निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। इसी तरह शहर में हो रहे अवैध निर्माण पर शीघ्र रोक लगाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ सफाई जैसे रोजमर्रा की जरूरत के कार्य को विस्तार से गुणवत्ता पूर्ण किया जाएगा।

अनाधिकृत बैनरों पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने अतिरिक्त आयुक्त किशोर गावस और सभी सहायक आयुक्तों, वार्ड समिति द्वारा आयोजित बैठक में सभी सहायक आयुक्तों को अपने अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत होर्डिंग्स, बैनर, तख्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। इस बैठक में शहर की छवि खराब न हो, बोर्ड को आधिकारिक तौर पर प्रदर्शित किया जाए। बोर्ड का आकार एक समान हो और मनपा को इससे राजस्व मिले, इसके लिए एक नीति तैयार करने का भी आदेश दिया गया है।

होर्डिंग लगाने वालों पर कानूनी कार्रवाई करने का भी आदेश

उच्च न्यायालय में जनहित याचिका संख्या 155/2011 में हाईकोर्ट ने समय-समय पर आदेश दिया है कि शहर में किसी भी स्थान पर बिना अनुमति के बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स न लगाएं। साथ ही बिना अनुमति के होर्डिंग लगाने वालों पर कानूनी कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया है. तदनुसार, शहर में अनाधिकृत होर्डिंग्स के विरुद्ध मनपा के माध्यम से समय-समय पर कानूनी कार्रवाई की जाती है। उक्त याचिका पर दिनांक 18/11/2024 को हुई सुनवाई में मा. शहर में बिना अनुमति बैनर-पोस्टर लगाने वालों पर हाईकोर्ट ने कार्रवाई की है। इसे हाईकोर्ट में जमा करने का आदेश दिया गया है। शहर के प्रमुख राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को भी लिखित पत्र देकर बिना अनुमति होर्डिंग न लगाने की सलाह दी गई है। साथ ही शहर में जिन प्रिंटर व प्रेस में बैनर व पोस्टर छपते हैं, उन्हें बिना अनुमति के बोर्ड नहीं लगाने का नोटिस दिया गया है।

नामदेव शिम्पी समाज का राज्य स्तरीय वर-वधु सम्मेलन सम्पन्न

भिवंडी। ठाणे जिले के एकमात्र भिवंडी शहर के बाजार ठाणगे अली में स्थित विश्व संत शिरोमणि नामदेव महाराज के मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उस अवसर पर कल्याण स्थित सभागृह में राज्य स्तरीय वर-वधू अभिभावक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस बैठक में बड़ी संख्या में दूल्हे और दुल्हनों ने भाग लिया और भिवंडी कल्याण, मुंबई नासिक पुणे, ठाणे डोंबिवली और अहमदाबाद सहित अन्य बड़े शहरों से महिलाओं और अभिभावकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जनसेना पार्टी के अध्यक्ष अशोक भाऊ खैरनार मंच पर उपस्थित थे।

जिला परिषद ठाणे के अंतर्गत विविध पेंशन वेतन योजना के लिए अधिकारी व कर्मचारी का प्रशिक्षण

ठाणे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में विविध पेंशन वेतन के सुविधा के लिए अधिकारी व कर्मचारी को जिला परिषद के सभागृह में प्रशिक्षण दिया गया। एनएसडीएल (प्रोटेन) कार्यालय सहायक प्रबंधक पदपर कार्यरत सुर्यकांत तरे ने उपस्थित सभी परिभाषित अंशदान पेंशन वेतन योजना (डी सीपीएस) राष्ट्रीय पेंशन वेतन प्रणाली (एन पीएस)योग्य पद्धति से करने के लिए मार्गदर्शन में किया। इस अवसर पर मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी वैजनाथ बुरडकर, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा. प्र) अविनाश फडतरे, उप मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी अंजली अंबेकर सहित जिला के सभी पंचायत समिति के पेंशन योजना से संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

नागरिक सुविधाओं की अनदेखी पर पूर्व नगरसेविका ने दी आंदोलन की चेतावनी

सार्वजनिक सुविधाओं की बदहाली से नागरिकों में आक्रोश

उल्हासनगर। महानगरपालिका क्षेत्र के अशोक नगर में स्थित प्राथमिक आरोग्य केंद्र को इंदिरा गांधी भाजी मार्केट में स्थानांतरित किए जाने के कारण नागरिकों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नए स्थान पर अस्पताल के दूसरे मंजिल पर होने के कारण महिला, वृद्ध और गर्भवती महिलाओं को वहां पहुंचने में काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थानांतरण के चलते स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाना मुश्किल हो गया है। नागरिकों ने मांग की है कि प्राथमिक आरोग्य केंद्र को पुनः अशोक नगर में ही स्थापित किया जाए।

ये हैं मांगें

इसके अलावा, अशोक नगर संजय गाँधी नगर परिसर मे सार्वजनिक शौचालय, वडोलगाव पुल के पास रस्ता अधर मे हैं। संजय गांधी नगर मे पुल पर रेलिंग न होणे के कारणं एव रास्ते पर डांबर न दालने के कारण छात्रों और नागरिकों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों को लेकर स्थानीय पूर्व नगरसेविका सविता तोरडे (रगडे),शिवाजी रगडे,गजानन शेळके, फिरोज खान ने महानगरपालिका को लिखित निवेदन देते हुए चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो नागरिकों के साथ आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने प्राथमिक आरोग्य केंद्र की पुनर्स्थापना, सड़कों की मरम्मत और सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति सुधारने की मांग की है।

उल्हासनगर सोनारा नवजवान मंडल पंचायत की तरफ से दिवाली महोत्सव का आयोजन

उल्हासनगर। उल्हासनगर सोनारा नवजवान मंडल पंचायत की तरफ से 27 नवम्बर मंगलवार को सोनारा हॉल में दिवाली महोत्सव का आयोजन किया गया।इस मौके पर उल्हासनगर के विजयी उम्मीदवार कुमार आयलनी व बड़ी संख्या में सोनारा समाज के सदस्य उपस्थित थे। इस मौके अवसर पर सोनारा समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कटेजा ने बताया कि SNMPU संस्था का मुख्य उद्देश सामाजिक समरसता बनाए रखना व समाज हित के कार्यों को बढ़ावा देना है, शासन, प्रशासन की योजनाओं का लाभ समाज को देना है और इन समाज हित कार्यों में हमे समाज,शासन, प्रशासन व स्थानीय नेताओं से सहयोग की अपेक्षा भी रहेगी। देर शाम सदस्यों एवं निमंत्रित मेहमानों के लिए दीपावली मिलन समारोह व भक्ति पूर्ण माता की ज्योत का आयोजन किया गया, जिसमें परिवार सहित सदस्यों ने भाग लेकर समारोह की शान बढ़ाई।

भिवंडी मनपा ने आवारा श्वान निर्बीजीकरण केंद्र का किया उद्घाटन

भिवंडी। भिवंडी शहर में आवारा कुत्तों की संख्या अधिक बढ़ गई है। जिनके काटने से सैकड़ों नागरिकों के घायल होने की घटना सामने आ चुकी है इन घटनाओं को रोकने के लिए भिवंडी महानगर पालिका ने एक निविदा जारी कर ईदगाह स्लॉटर हाउस स्थित एसटीपी प्लांट के पीछे श्वान निर्बीजीकरण केंद्र शुरू करते हुए इस का उद्घाटन मनपा आयुक्त द्वारा किया गया। जहां रेबीज टीकाकरण, आवारा कुत्तों की नसबंदी और घायल कुत्तों को पकड़ने और उनका इलाज करने का काम हैदराबाद की वेट्स सोसाइटी फॉर एनिमल वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट नामक कंपनी को सौंपा गया है।

'राज्य में सात फीसदी मतदान कैसे बढ़ा'

नाना पटोले ने चुनाव आयोग को घेरा

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग को घेरा। नाना पटोले ने कहा कि राज्य में मतदान समाप्त होने के बाद सात फीसदी मतदान प्रतिशत कैसे बढ़ा। इस स्थिति को चुनाव आयोग स्पष्ट करे। मतदान के आंकड़ों में विसंगतियां आयोग की कार्यप्रणाली सवालिया निशान लगाती हैं। पटोले ने कहा कि राज्य में शाम पांच बजे तक मतदान प्रतिशत 58.22 फीसदी था, लेकिन रात 11 बजे तक यह 7.83 फीसदी बढ़ गया। चुनाव आयोग को इस विसंगति को स्पष्ट करना चाहिए। यह लोगों के वोट की चोरी है। इसके लिए हम कानून का सहारा लेंगे और सड़क पर उतरकर लोगों को जागरूक करेंगे। नाना पटोले ने कहा कि चुनाव आयोग को उन बूथों के फोटो साझा करने चाहिए, जहां पर रात को 11 बजे तक मतदान जारी रहा। पटोले ने कहा कि इसका कौन जीता और कौन हारा, इससे कोई संबंध नहीं है। हमारी पार्टी लोकतंत्र को बचाना चाहती है। चुनाव आयोग के मुताबिक महाराष्ट्र में 66.05 फीसदी मतदान हुआ था। जबकि 2019 में 61.1 फीसदी मतदान हुआ। चुनाव में हार के बाद महाविकास अघाड़ी के कई नेता चुनाव आयोग की मतदान प्रक्रिया पर संदेह जता चुके हैं। भंडारा जिले के साकोली निर्वाचन क्षेत्र में पटोले ने मात्र 208 वोटों से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के अविनाश ब्रह्मणकर को हराया।

विधानसभा चुनाव में पार्टियों का प्रदर्शन

राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने अकेले 132 सीट, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। महायुति गठबंधन के तीनों घटक दल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी क्रमशः राज्य की शीर्ष तीन पार्टियां हैं। वहीं इसके उलट महा विकास अघाड़ी को 288 सीटों में से मात्र 46 सीटें ही हासिल की है। इसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने 20 सीट, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार की एनसीपी-एसपी ने सिर्फ 10 ही सीटें विधानसभा चुनाव में जीती है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अन्य दलों का प्रदर्शन

वहीं राज्य के विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने वाली अन्य राजनीतिक दलों की बात करें, तो इसमें समाजवादी पार्टी ने और जन सुराज्य शक्ति ने दो-दो सीटें जीतीं हैं। जबकि राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, एआईएमआईएम, सीपीआई (एम), पीडब्ल्यूपीआई, राजर्षि साहू विकास अघाड़ी को एक-एक सीटें मिली हैं। वहीं दो सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है।

'कांग्रेस का ओवर कॉन्फिडेंस हमें ले डूबा'

हार के बाद शिवसेना का बड़ा हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं, लेकिन अब तक प्रदेश की नई सरकार को संशय का दौर बना हुआ है। चुनाव में जीत हासिल करने वाला महायुति गठबंधन अभी सीएम के पद पर मंथन ही कर रहा है तो शिकस्त का सामना करने वाले महाविकास आघाड़ी हार से उबर नहीं सका है। आघाड़ी में अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। महाराष्ट्र विधानपरिषद में विरोधी पक्ष के नेता अंबादास दानवे ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि राज्य में हार के लिए कांग्रेस का अति आत्मविश्वास जिम्मेदार है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता अंबादास दानवे ने परिणाम आने के 5 दिन बाद कांग्रेस पर खुलकर आरोप लगाया और कहा कि गठबंधन की हार की बड़ी वजह कांग्रेस का ओवर कॉन्फिडेंस ही है। हमें इसी ने हरवाया है। हर कोई सूट पहनकर तैयार था। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य को ध्यान में रखकर राज्य की सभी 288 सीटों पर खुद को मजबूत करेंगे।

पहली बार कांग्रेस पर बड़ा हमला

दानवे उद्धव ठाकरे गुट के बड़े नेता हैं और विधानपरिषद विरोधी पक्ष नेता भी हैं। चुनाव परिणाम के बाद आज गुरुवार को पहली बार गठबंधन का कोई बड़ा नेता खुलकर बोला, साथ ही सीधे तौर पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया कि इस हार के लिए वही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर नेता सूट पहनकर तैयार था वो ओवर कॉन्फिडेंस में थे और इसी ओवर कॉन्फिडेंस की वजह से हार हुई है। आखिरी समय तक सीट शेयरिंग होती रही और सर्वे के नाम पर लोकसभा चुनाव का नतीजा दिखाकर सीट ले गए और हार गए। चुनाव के बाद पार्टी को मजबूत बनाने की बात करते हुए दानवे ने कहा कि भविष्य की ध्यान में रखकर हमने पार्टी के मुखिया को अपनी भावना बताई है कि भविष्य में हम सभी 288 सीटों पर खुद को मजबूत करें भले ही सभी सीटों पर चुनाव न लड़ें। उन्होंने कहा कि अभी कॉरपोरेशन चुनाव दूर है, लेकिन पार्टी के लिए संगठन मजबूत करना जरूरी है। चुनाव में शिकस्त के बाद मातोश्री में बुलाई गई बैठक में शिवससैनिकों ने अपनी भावना उद्धव ठाकरे को बता दी है।

BJP शिंदे को CM बनाती तो गलत होता : दानवे

सीएम पद के प्रवल दावेदारों में से एक एकनाथ शिंदे ने कल पीसी कर खुद को मुख्यमंत्री पद से अलग करते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो भी फैसला लेंगे वो उन्हें मंजूर होगा, इस पर दानवे ने कहा कि बीजेपी खुद बहुमत में है। ऐसे में ऐसी उम्मीद ही नहीं करनी चाहिए थी। उन्होंने आगे कहा, "भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अगर एकनाथ शिंदे को सीएम बनाती तो वो भी गलत होता। लेकिन शिंदे चेहरा हैं तो क्या बीजेपी में चेहरे नहीं हैं। इतनी सीट बिना चेहरे के आई है क्या?" उन्होंने कहा कि शिंदे के ऐलान के बाद भी उनके सांसद अमित शाह से मुलाकात करते हैं, क्या ये शिंदे की नहीं सुन रहे?

दुआ लीपा का मुंबई में होगा कॉन्सर्ट

- मुंबई पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी की जारी
- मुंबई के कई रास्ते शनिवार को रहेंगे बंद

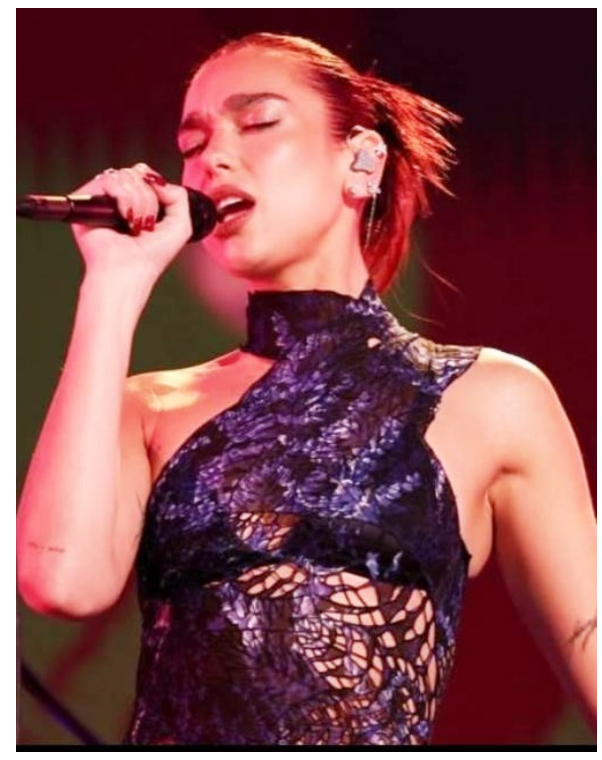

मुंबई। पॉप स्टार दुआ लीपा का नाम तो आपने सुना ही होगा। इन दिनों वह अपने कॉन्सर्ट को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पहले भारत के म्यूजिक कॉन्सर्ट का ऐलान किया। इंटरनेशनल स्टार दुआ का पहला कॉन्सर्ट मुंबई में 30 नवंबर यानी शनिवार को होना है। उनकी परफॉर्मेंस को लेकर फैंस के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है। हाल ही में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस बीच, उनके कॉन्सर्ट से जुड़ी ट्रैफिक गाइडलाइन मुंबई पुलिस ने जारी की है। दुआ लीपा अपने मोस्ट अवेटेड कॉन्सर्ट के लिए गुरुवार को ही मुंबई पहुंच चुकी हैं। वहीं, मुंबई पुलिस ने उनके कॉन्सर्ट के लिए बड़े स्तर पर सड़कों को बंद किया है। अगर आप चाहते हैं कि आपको शनिवार के दिन असुविधा न हो तो पहले ही बंद सड़कों का रूट चेक कर लीजिए।

इन रूट्स को आधे दिन के लिए रखा जाएगा बंद

मुंबई पुलिस की ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक, शनिवार दोपहर से लेकर आधी रात तक शहर के कई प्रमुख मार्ग प्रभावित रहेंगे। जिसमें भारत नगर जंक्शन से कुर्ला की तरफ जाने वाला संत ज्ञानेश्वर मार्ग शामिल है। इसके अलावा, बांद्रा में खेरवाड़ी सरकारी कॉलोनी से यूटीआई टावर्स की ओर जाने वाला रास्ता भी शामिल है। इसके साथ ही, बीकेसी में अंबानी स्क्वायर, लक्ष्मी टावर, डायमंड जंक्शन और नाबार्ड जंक्शन से होकर वाहनों के जाने पर रोक लगाई गई है।

कुर्ला की ओर जाने वाले मार्ग पर रोक रहेगी

शनिवार के दिन किसी भी वाहन को भारत नगर जंक्शन से कुर्ला की ओर नहीं जाने दिया जाएगा। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल वाहन चालक कर सकते हैं। कुर्ला की ओर जाने के लिए यात्रा करने वाले यात्री एमसीए, एमटीएनएल जंक्शन की ओर जाने वाली सड़क का उपयोग कर सकते हैं। इससे आप आसानी से कुर्ला तक पहुंच सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यक्रम में आने वाली भीड़ की सुविधा को देखते हुए सड़कों को आधे दिन के लिए बंद रखा जाएगा। दरअसल, दुआ का कॉन्सर्ट दोपहर 3 :00 बजे से शुरू होने वाला है। इस कॉन्सर्ट में जाने से पहले ही सही रूट देख लें।

तारा बार पर पुलिस की छापेमारी

16 लड़कियों को किया रेस्क्यू, 23 लोग गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

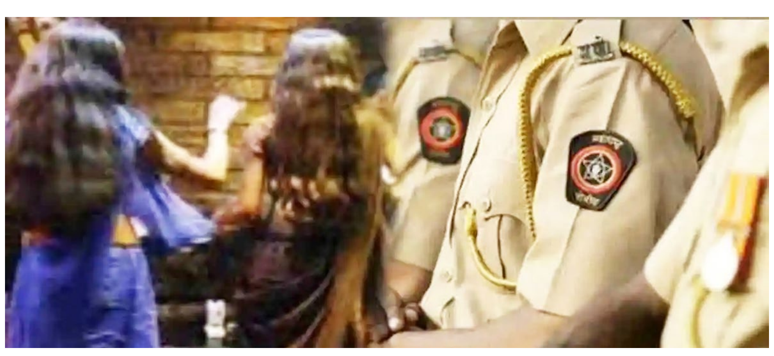

मुंबई के गोरेगांव पूर्व स्थित तारा ऑर्केस्ट्रा बार में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस छापेमारी के दौरान 16 लड़कियों को रेस्क्यू किया गया और 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस ऑपरेशन का नेतृत्व डीसीपी स्मिता पाटील ने किया।

ऑपरेशन में शामिल अधिकारी और टीम

एपीआई ओम टोटावार, पीएसआई अजित देसाई और दिंडोशी पुलिस स्टेशन की टीम ने इस छापेमारी को अंजाम दिया। वनराई पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में होने के कारण यह कार्रवाई और भी अहम हो गई।

23 लोग गिरफ्तार

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 16 ग्राहक, 2 स्टेवर्ड, 3 वेटर, 1 कैशियर, और 1 मैनेजर शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

अवैध गतिविधियों का खुलासा

पुलिस को छापेमारी के दौरान एक गुप्त कमरे का पता चला, जिसका उपयोग अवैध गतिविधियों के लिए हो रहा था। इस कमरे से 16 लड़कियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। बार में चल रही इन अवैध गतिविधियों के कारण यह बार पुलिस की निगरानी में था।

प्रशासन की सख्ती

वनराई और दिंडोशी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अवैध बार और किचन में चल रहे ऐसे कामकाज पर कड़ी नजर रखी जाएगी। डीसीपी स्मिता पाटील ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयाँ आगे भी जारी रहेंगी, ताकि शहर में इस प्रकार के गैरकानूनी कामों पर नियंत्रण पाया जा सके। मुंबई में अवैध ऑर्केस्ट्रा बार पर पुलिस की यह कार्रवाई शहर में चर्चा का विषय बन गई है और बार मालिकों के बीच खलबली मच गई है।

अवैध संपत्ति जब्त

पुलिस द्वारा जब्त की गई संपत्तियों में 40,000 नकद, 1 लैपटॉप, 1 मेमोरी कार्ड, 1 एंप्लीफायर, और 1 स्पीकर शामिल हैं। यह छापेमारी अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए गए अभियान का हिस्सा थी।

वलसाड-भगत की कोठी तथा बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर एक्सप्रेस अब सुपरफास्ट ट्रेन के रूप में चलेगी

मुंबई। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वलसाड-भगत की कोठी तथा बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर एक्सप्रेस को सुपरफास्ट ट्रेनों में परिवर्तित किया जाएगा। अब इन ट्रेनों को नए नंबर दिए जाएंगे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी।

ट्रेनों का विवरण

बांद्रा टर्मिनस- बाड़मेर हमसफर एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19009 बांद्रा टर्मिनस– बाड़मेर हमसफर एक्सप्रेस को 03 जनवरी, 2025 से नया नंबर 21901 दिया जाएगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 19010 बाड़मेर–बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस को 04 जनवरी, 2025 से नया नंबर 21902 दिया जाएगा।

वलसाड- भगत की कोठी एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19055 वलसाड– भगत की कोठी एक्सप्रेस को 07 जनवरी, 2025 से नया नंबर 22991 दिया जाएगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 19056 भगत की कोठी–वलसाड एक्सप्रेस को 08 जनवरी, 2025 से नया नंबर 22992 दिया जाएगा।

'बाला साहेब ठाकरे के समय महाराष्ट्र का फैसला दिल्ली में नहीं होता था'

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति की बंपर जीत के बाद मुख्यमंत्री तय करने में हो रही देरी पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास खुद के 140 विधायक हैं, जो बहुमत के बहुत करीब हैं। फिर भी कई दिन के बाद भी बहुमत वाली पार्टी महाराष्ट्र को अपना मुख्यमंत्री नहीं दे पा रही है। आपस में ऐसा क्या चल रहा है? हम चाहते हैं अगर आपका बहुमत बना है तो मुख्यमंत्री 24 घंटे में ही बन जाना चाहिए था, चाहे वो किसी भी पार्टी का कोई भी नेता क्यों न हो। मुख्यमंत्री के नाम पर आखिर वो ऐसा क्या विचार कर रहे हैं कि नाम फाइनल नहीं कर पा रहे हैं। हमें समझ नहीं आ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह सहित पार्टी के अन्य नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने में इतनी मुश्किल क्यों आ रही है? उनकी मुश्किलों के बारे में महाराष्ट्र की जनता जानना चाहती है। ये बहुत ही दुर्भाग्य की बात है।

'हमने दिल्ली जाकर कभी नहीं गिड़गिड़ाया'

उन्होंने कहा कि ये लोग बाला साहेब ठाकरे का नाम लेते हैं और शिवसेना के नाम पर राजनीति करते हैं, लेकिन महाराष्ट्र का फैसला दिल्ली से होता है। सच ये है कि बाला साहेब ठाकरे के समय में महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री दिल्ली नहीं बल्कि मुंबई से तय होता था। पहले भी बीजेपी के नेताओं में अटल जी और आडवाणी जी थे, लेकिन मुंबई में ही मुख्यमंत्री तय कर दिया जाता था, इसके लिए हम कभी दिल्ली नहीं गए। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में जाकर कभी गिड़गिड़ाया नहीं, हमें जो फैसला लेना होता है वो उद्धव ठाकरे जी के निर्देशन में लेते हैं। उन्होंने ईवीएम में गड़बड़ी के मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर कहा कि हम ईवीएम पर आज सवाल नहीं उठा रहे हैं, बल्कि हम तो 10 साल इसके बारे में पूछते आए हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तो बीजेपी ने सवाल उठाया था।

मुंबई या नासिक रूट पर दौड़ सकती है महाराष्ट्र की पहली एलएनजी बसें

मुंबई। महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एमएसआरटीसी) के बेड़े में जल्द ही लिक्वीफाइड नेचुरल गैस (LNG) वाली बस शामिल हो जाएगी। पर्यावरण के लिए अनुकूल ये बसें आने वाले समय में नासिक या फिर मुंबई रूट पर चलेंगी। पहले चरण के तहत 5 डीजल बस को एलएनजी बस में परिवर्तित किया गया है। यही वजह है कि नासिक और मुंबई में आपूर्ति दरों से कोटेशन मांगे गए हैं, जिसका नतीजा मौजूदा एलएनजी दरों को देखते हुए लिया जाएगा। लिक्वीफाइड नेचुरल गैस यानी की LNG की कीमत डीजल ईंधन से कम है, इसलिए इन बसों के संचालन से एसटी बस की यात्रा में प्रति किमी संचालन की लागत कम हो जाएगी। एलएनजी के एक टैंक में एक बस 700-750 किमी तक चल सकती है।

भविष्य में स्व-स्वामित्व वाले LNG पंप भी किए जाएंगे स्थापित

एक अधिकारी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ इन बसों के संचालन से धन की भी बचत होगी। फिलहाल मुंबई में एलएनजी का रेट 72 रुपये और नासिक में 76 से 78 रुपये है। इसलिए, एक बार जब आपूर्तिकर्ता कम दर पर आपूर्ति करने के लिए तैयार हो जाएगा, तो यह निर्णय लिया जाएगा कि इन 5 बसों को किस रूट पर शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में एसटी कॉर्पोरेशन एक स्व-स्वामित्व वाला एलएनजी पंप भी स्थापित करेगा और तदनुसार एलएनजी बसों के बेड़े में वृद्धि की जाएगी। एसटी के स्वामित्व वाली 14,000 डीजल बसों में से 5,000 बसों को एलएनजी में परिवर्तित करने की योजना है।

मुलुंड के पूर्व नगरसेवक जगजीवन तन्ना का निधन

मुंबई। मुलुंड के पूर्व नगरसेवक जगजीवन तन्ना (86 वर्ष) का दुःखद निधन बुधवार को उनके मुलुंड पश्चिम स्थित निवास स्थान पर हो गया 1 वे दो बार नगरसेवक चुने गए तथा स्थापत्य समिति के अध्यक्ष भी रहे 1 उनका अंतिम संस्कार मुलुंड प.स्थित हिन्दू मुक्ति धाम पर सुपुत्र पंकज एवं धीरेन द्वारा किया गया 1 उनकी अंतयेष्टि मे मुलुंड के सभी दलों के नेता एवं समाजसेवी उपस्थित थे 1 दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु प्रार्थना सभा का आयोजन शुक्रवार को शाम 5 से 7बजे तक सारस्वत वाड़ी, झवेर रोड, मुलुंड प. पर किया गया है 1

पश्चिम रेलवे

खतरनाक अपशिष्ट उत्पादों का निपटान

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई - 400 013, आमंत्रित करता है **ई-निविदा सूचना संख्या: EL90/MX/2024- 25/13RT दिनांक 26.11.2024. कार्य का नाम:** ईएमयू कार्यशाला महालक्ष्मी में उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट उत्पादों का 02 वर्ष की अवधि के लिए एमपीसीबी मानदंडों के अनुसार निर्दिष्ट स्थानों पर निपटान। **कार्य की अनुमानित लागत:** 6,29,298.93. **ईएमडी:** 12,600. **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18.12.2024 को 12:00 बजे तक (इलेक्ट्रॉनिक रूप से) है। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0774

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

लिफ्ट का प्रावधान

वरिष्ठ डीईई/पी/मुंबई सेंट्रल, मुंबई ई-टेंडर न. ईएल-81-2-653-डब्ल्यूए-47 दिनांक 25/11/2024. को आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थान: कोलाबा बधवार पार्क** - बधवार पार्क रेलवे कॉलोनी में ऑफिसर्स क्लब की मरम्मत और नवीनीकरण के संबंध में लिफ्ट का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत:** 17,00,000/-. **बोली सुरक्षा ईएमडी की लागत:** 34,000/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 23.12.2024, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समय:** 23.12.2024 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0772

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

रुचि की अभिव्यक्ति

चिकित्सा विभाग

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (प्रशासन), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल आमंत्रित करते हैं **ईओआई संख्या और दिनांक : एमडी/55/बीवीआई और एनडीबी/निवेश. दिनांक 27/11/2024। *कार्य और स्थान:** बोरिवली स्वास्थ्य इकाई, मुंबई और या नंदुरबार स्वास्थ्य इकाई में प्रयोगशाला जांच और निदान के लिए सीजीएचएस दरों या उससे कम पर पैनल बनाने के लिए रुचि की अभिव्यक्ति। विस्तृत दिशा-निर्देश और निविदा दस्तावेज http://wr.indianrailways.gov.in/ के निविदा अनुभाग में अपलोड किए गए हैं। प्रतिक्रिया मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, ग्राउंड फ्लोर, डीआरएम कार्यालय, एमएमसीटी रेलवे स्टेशन के पास, मुंबई सेंट्रल-400 008 के कार्यालय में निर्धारित दस्तावेजों के साथ सीलबंद लिफाफे में 10.12.2024 को या उससे पहले जमा की जा सकती है। किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें नं. 022-67644281. **पूर्णता अवधि:** एलओए जारी होने से दो (02) वर्ष। **जमा करने की अंतिम तिथि:** 10.12.2024, 12:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समय:** 11.12.2024 को 15:00 बजे।

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in 0778

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : X.com/WesternRly

मीटरिंग इंडिया कॉन्फ्रेंस में मुख्य अभियंता डॉ. मनीष वाथ को किया गया सम्मानित

मुंबई। इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 10वीं मीटरिंग इंडिया परिषद-2024 हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुई। इनमें प्रतिष्ठित मीटर कंपनियां, सरकारी संगठन, बिजली वितरण कंपनियां आदि शामिल हैं। शामिल हो गए थे। मुख्य अभियंता (परीक्षण) डॉ. महावितरण का प्रतिनिधित्व मनीष वाथ ने किया. उन्होंने 'पावर क्वालिटी एनालिसिस एंड केस स्टडीज' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस शोध पत्र के लिए मुख्य अभियंता (परीक्षण) डॉ. मनीष वाथ को दूसरा पुरस्कार रु. 51,000/- का पुरस्कार दिया गया। इस सम्मेलन में 70 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। इस पुरस्कार के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा ने बधाई दी है।

For Consultancy on any Service Matter
(Central / State / CPSU / SPSU / Corporates)
to individual and or Union / Association

Please Contact
(7021435430 / 9702669892)

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि 1) श्रीमती पुरन बेहराम इरानी, 2) श्री शाहरीयार बेहराम अत्ताई (उर्फ शाहरीयार बेहराम इरानी), 3) श्री एज़ादियार बेहराम अत्ताई (उर्फ एज़ादियार बेहराम इरानी) और 4) श्रीमती तौबम फरेडून इरानी ने नीचे दी गई सूची में अधिक विशिष्ट रूप से वर्णित संपत्ति को बेचने पर सहमति दी है ('उक्त संपत्ति') । कोई भी व्यक्ति जिसे उक्त संपत्ति के संबंध में विक्रय, विनिमय, बंधन, शुल्क, उपहार, ट्रस्ट, रखरखाव, वारसाहक, कब्जा, पट्टे, किराये, ऋण, लाइसेंस या किसी ट्रस्ट के तहत लाभकारी अधिकार / हित, लिखित अधिकार, प्रिवेशन, किसी समझौते या अन्य वितरण या किसी न्यायालय या विधायी प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश, निर्णय या पुरस्कार के तहत कोई दावा हो, वह व्यक्ति कृपया सभी सहायक दस्तावेजों की नोटरीकृत प्रतियों के साथ उक्त दावा लिखित रूप में, नीचे दिए गए कार्यालय पते पर 21 (इक्कीस) दिनों के भीतर सूचित करने का अनुरोध किया जाता है, अन्यथा यह माना जाएगा कि ऐसा कोई दावा अस्तित्व में नहीं है और यदि ऐसा दावा कानूनी रूप से या अन्यथा अस्तित्व में है, तो यह माना जाएगा कि दावेदार ने अपना दावा त्याग दिया है और / या बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से अपना अधिकार त्याग दिया है।

सूची

सभी वह भूमि या भूखंड जिसका क्षेत्रफल लगभग 280 वर्ग गज (220.40 वर्ग मीटर) है, साथ ही उस पर स्थित इमारत / संरचना जिसे " इरानी हाउस " (" उक्त इमारत ") के नाम से जाना जाता है, जो संतोष नगर, प्लॉट नंबर 7, हिल रोड, बांद्रा पुलिस स्टेशन के सामने, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई 400050 में स्थित है और जिसे नगरपालिका दर और कर मूल्यांकनकर्ता द्वारा H / W वार्ड के तहत मूल्यांकित किया गया है। उक्त भूमि और उक्त इमारत को एक साथ " उक्त संपत्ति" के रूप में संदर्भित किया जाता है।

सही / -

वकील पावनी चड्डा

दिनांक: 05 जनवरी 2025

पता: 102, यूसुफ बिल्डिंग, एमजी रोड, फोर्ट, मुंबई 400001.

ईमेल: paavani.chadha@gmail.com

संपादकीय

कट्टरता का बांग्लादेश

बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन और उनके भारत में शरण लेने के बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर जिस तरह लगातार हमले हो रहे हैं, इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी उसकी अगली कड़ी है। दास की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके वकील की निर्मम हत्या असहिष्णुता की पराकाष्ठा को ही दर्शाती है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि वहां अल्पसंख्यक किन भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इतना ही नहीं धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे लोगों पर हमले तक किए गए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के पैरोकार दास को कथित रूप से बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने तथा राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने के कारण बांग्लादेश और सीमा पार भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। दरअसल, इस अशांति का संदर्भ लगातार अल्पसंख्यक उत्पीड़न के पैटर्न में निहित हैं। बांग्लादेश के संवैधानिक आश्वासन के बावजूद वहां के हिंदू, जो कि आबादी का लगभग नौ फीसदी हैं, लगातार हिंसा, बर्बरता और सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वहां हिंदुओं के घरों व मंदिरों पर भीड़ पर हमलों की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। जिसमें हसीना सरकार के पतन के बाद खासी तेजी आई है। आधिकारिक रूप से इस्लामिक धर्म वाले इस देश में यह स्थिति अल्पसंख्यकों की व्यापक असुरक्षा को दर्शाती है। अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा सुरक्षा की गुहार लगाये जाने के बाद विश्वास बहाली की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरकार पर है। जिसका दायित्व बनता है कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को न्याय दिलाने के लिये विशेष न्यायाधिकरण के जरिये यथाशीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो अशांति के बढ़ने का खतरा बना रहेगा। मौजूदा घटनाचक्र से बांग्लादेश की प्रगतिशील लोकतंत्र की छवि कमजोर हुई है। निस्संदेह, वहां सभी अल्पसंख्यकों के लिये शांति और सुरक्षा एक जीवंत वास्तविकता होनी चाहिए। ढाका सरकार को छात्र आंदोलन के जरिये हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद पनप रही कट्टरता पर अंकुश लगाना चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं गाहे-बगाहे आती रही हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर गंभीर चिंता जतायी थी। यहां तक कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद के एक पखवाड़े में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दो हजार से अधिक मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट इस बात पर भी चिंता जताती है कि ऐसे मामलों में अपराधियों की पहचान होने के बावजूद उन्हें दंडित नहीं किया गया। बल्कि इसके बहाने राजनीतिक विरोधियों को ही निशाना बनाया गया। ऐसी हिंसा के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी तल्ख प्रतिक्रिया दर्ज की गई है। यह विडंबना ही है कि जिस बांग्लादेश की स्थापना भारत के त्याग व बलिदान के चलते एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, आज वहां यूनस सरकार उन मूल्यों को ताक पर रख रही है। भारत सरकार के विरोध के बावजूद यूनस सरकार किसी भी तरह से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देने को तैयार नहीं है। बांग्लादेश का इतिहास बताता है कि जब-जब सेना के हाथ में सत्ता की बागडोर आई है, तो कट्टरपंथियों को संरक्षण मिला है। ऐसे में फौज द्वारा गठित अंतरिम सरकार से इस दिशा में किसी बड़ी पहल की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। भारत सरकार को राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों से अंतरिम सरकार पर दबाव बनाना होगा ताकि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दे। तभी कट्टरपंथियों की निरंतर जारी हिंसा पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा सकती है। इसके साथ ही पाक समर्थित कट्टरपंथी संगठनों पर भी नियंत्रण करने के लिये दबाव बनाने की जरूरत है। वैसे अंतरिम सरकार के अड़ियल रवैये को देखते हुए बहुत ज्यादा उम्मीद इस दिशा में नजर नहीं आ रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का दबाव इस दिशा में एक उपाय हो सकता है।

शख्सियत | ठक्कर बापा

सेवा और समर्पण का प्रतीक

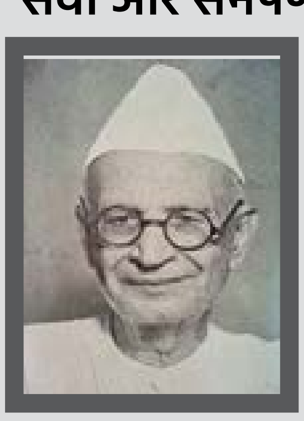

ठक्कर बापा, जिनका असली नाम अमृतलाल विट्ठलदास ठक्कर था, भारत के एक प्रसिद्ध समाज सुधारक और जनसेवक थे। उनका जन्म 29 नवंबर 1869 को गुजरात के भावनगर में हुआ। ठक्कर बापा ने अपने जीवन को समाज की सेवा के लिए समर्पित किया और विशेष रूप से आदिवासियों और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम किया।

शुरुआती जीवन में उन्होंने एक इंजीनियर के रूप में काम किया, लेकिन समाज सेवा के प्रति उनका झुकाव इतना गहरा था कि उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर अपना पूरा जीवन समाज सुधार के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने आदिवासी और वंचित समुदायों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने ₹भिल सेवा मंडल₹ की स्थापना की, जो आदिवासियों के कल्याण के लिए समर्पित था। महात्मा गांधी से प्रभावित होकर ठक्कर बापा ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई। गांधीजी उन्हें प्यार से ₹बापा₹ कहकर बुलाते थे, और यही नाम उनके व्यक्तित्व की पहचान बन गया। उनकी सेवाओं के लिए भारत सरकार ने उन्हें ₹पद्म भूषण₹ से सम्मानित किया। ठक्कर बापा का जीवन सादगी, त्याग और सेवा का प्रतीक है। उनका निधन 20 जनवरी 1951 को हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनकी सेवा और योगदान हमेशा प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। उनके कार्य आज भी समाज सेवा के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं।

भाजपा की कामयाबी से बढ़ी कांग्रेस की मुश्किलें

डॉ. यश गोयल

राजस्थान के सात विधानसभा उपचुनाव के परिणामों ने छोटे राजनीतिक दलों और विपक्षी कांग्रेस को करारी हार दी है। इस हार ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के भविष्य को अनिश्चितता की ओर मोड़ दिया। इस वर्ष के प्रारम्भ में भाजपा, दो विधानसभा उपचुनावों में हार चुकी थी। साफ है जून में कांग्रेस, जो गठबंधन को लोकसभा की 25 में से 11 सीटें दे चुकी थी, ने 7 में से 5 विधानसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर संगठनात्मक मजबूती हासिल की। यह अप्रत्याशित जीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सरकार को संकट से उबारने में सफल रही। इन सात विधानसभा सीटों में से भाजपा ने पांच सीटें—झुंझुनू, रामगढ़, देवली-उनियारा, खींवसर और सलूंबर—जीतीं, जबकि भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने चौरासी सीट और कांग्रेस ने दौसा सीट पर विजय प्राप्त की। इस बार के चुनाव परिणामों का निष्कर्ष है कि मतदाताओं ने परिवारवाद और सहानुभूति की राजनीति को नकार दिया। कांग्रेस ने रामगढ़ सीट पर स्व. जुबेरखान के बेटे, आर्यन जुबैर को सहानुभूति आधारित जीत के लिए खड़ा किया था, जबकि इस सीट पर स्व. जुबैर चार बार और एक बार उनकी पत्नी साफिया कांग्रेस की विधायक रह चुकी थीं। बावजूद इसके, भाजपा के सुखवंत सिंह ने आर्यन को भारी शिकस्त दी। झुंझुनू विधानसभा सीट, जो ओला परिवार के नाम से प्रसिद्ध है, से जाट नेता स्व. शीशराम ओला ने 8 बार विधानसभा और 5 बार लोकसभा चुनाव जीते थे। इस बार उनके पुत्र बृजेंद्र ओला, जो जून में सांसद चुने गए थे, अपने पुत्र अमित ओला को विजय दिलाने में असफल रहे। भाजपा के राजेंद्र भांबू ने भारी मतों (42,848) से जीत हासिल की। सहानुभूति लहर का फायदा भाजपा ने सलूंबर सीट पर उठाया, जहां स्व. अमृतलाल मीणा की पत्नी, शांता देवी मीणा (जो तीन बार सरपंच रह चुकी हैं), अंतिम राउंड की गिनती में 1285 वोट से जीत गईं। बीएपी के प्रत्याशी जीतेश कटारा ने चुनाव आयोग से भाजपा सरकार द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की शिकायत की थी। बीएपी प्रमुख और डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने भी चुनाव आयोग को शिकायत की कि उनकी पार्टी सलूंबर सीट पर एकतरफा जीत रही थी, लेकिन भाजपा सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए जल्दी-जल्दी मतगणना करा कर अपने प्रत्याशी को जीत का सर्टिफिकेट दिलवा दिया। आरएलपी पार्टी को सबसे बड़ा नुकसान हुआ, क्योंकि पार्टी प्रमुख और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को खींवसर विधानसभा सीट पर नहीं जिता सके। उनकी पार्टी राजस्थान विधानसभा में भी शून्य पर रही। भाजपा उम्मीदवार रेवतराम डांगा ने यह सीट जीतकर पार्टी की विधानसभा में संख्या बढ़ाई। यदि कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तरह आरएलपी के साथ गठबंधन करती, तो यह सीट गठबंधन के पक्ष में जा सकती थी। दौसा (मीणा-गुर्जर बाहुल्य) के चुनाव परिणाम ने भाजपा के दमदार नेता किरोड़ी लाल मीणा (जो मौजूदा विधायक हैं) को लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद शर्मनाक स्थिति में डाल दिया। परिवारवाद के चक्रव्यूह में फंसी भाजपा ने दौसा से किरोड़ी के भाई, जगमोहन मीणा को टिकट दिया था। किरोड़ी ने पब्लिक मीटिंग्स में मीणा समाज से वोट की अपील की थी कि यदि उनके भाई को विजयी बनाकर भेजा गया, तो वह अपना इस्तीफा वापस लेने पर विचार करेंगे। किरोड़ी की पत्नी गोलमा देवी इस सीट से विधायक रह चुकी थीं और गहलोत सरकार में मंत्री भी रही थीं। दौसा सीट पर कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा ने भाजपा को हराकर न केवल कांग्रेस, बल्कि सचिन पायलट और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की प्रतिष्ठा भी बचा ली। परिवारवाद से हटकर, देवली-उनियारा और चौरासी सीटों पर जातीय टक्कर ने अहम भूमिका निभाई। चौरासी में आदिवासी नेता अनिल कटारा (बीएपी) और भाजपा के राजेंद्र गुर्जर ने देवली-उनियारा में कांग्रेस को बड़ा झटका दिया। देवली-उनियारा में कांग्रेस के सांसद हरीश मीणा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी रही, और कांग्रेस बागी निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने मतदान के दिन बूथ के बाहर एसडीएम को थप्पड़ मारा, जिससे राजस्थान सरकार को संकट का सामना करना पड़ा। बाद में नरेश मीणा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। भाजपा सरकार के मंत्रियों की पहल से स्थिति शांत हुई। कांग्रेस इस सीट को जीत सकती थी, लेकिन पार्टी के भितरघात के कारण कस्तूरचंद मीणा को टिकट दिया गया, जो तीसरे स्थान पर रहे। दो सौ सीटों की विधानसभा में अभी भाजपा के 119 विधायक, कांग्रेस के 66, बीएपी 4, बसपा 2, निर्दलीय 8 और आरएलडी 1 हैं। भाजपा में अब अंदरूनी खटपट और बागियों की हरकतों पर विराम लगने की संभावना है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए नए विधायकों को बधाई देने पार्टी कार्यालय पहुंचकर एक महत्वपूर्ण संकेत दिया। मदन राठोड़ (राज्यसभा सांसद) को पार्टी के आगामी संगठनात्मक चुनाव में राजस्थान भाजपा अध्यक्ष पद संभालने में अब कोई दिक्कत नहीं होगी। भजन मंत्रिमंडल के विस्तार और उनके एक साल के मूल्यांकन पर अब पार्टी हाईकमांड को कोई उलझन नहीं रहेगी। भाजपा अगले महीने अपने कार्यकाल का जश्न मनाने जा रही है। राजस्थान पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अपने पद पर बने रहने का संकट पैदा हो सकता है। सचिन पायलट को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। तीन बार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की चुनाव में दिलचस्पी केवल प्रत्याशियों के नामांकन और रैली तक सीमित रही, जबकि वे महाराष्ट्र चुनाव में ऑब्जर्वर थे, जहां कांग्रेस पिछड़ गई।

जीवन मंत्र | जे कृष्णमूर्ति

राष्ट्रवाद कैसे विदा होगा

> राष्ट्रवाद अपने विषैलेपन व दुनिया में जारी झगड़ों समेत तभी समाप्त हो सकता है, जब प्रज्ञा विद्यमान हो और प्रज्ञा सिर्फ परीक्षाएं पास करने अथवा पुस्तकों के अध्ययन से नहीं आती।

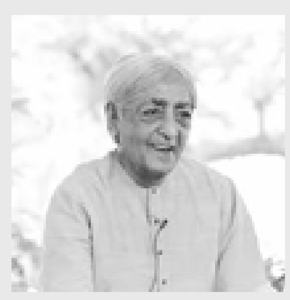

सवाल आया है कि राष्ट्रवाद के विदा हो जाने पर क्या होता है? तब प्रज्ञा आती है। परंतु मुझे लगता है कि इस प्रश्न का निहितार्थ यह नहीं है। इसका तात्पर्य है, राष्ट्रवाद का विकल्प क्या हो सकता है? विकल्प खोजने की कोई भी प्रक्रिया प्रज्ञा नहीं ला सकती। यदि मैं एक धर्म छोड़कर दूसरा स्वीकार कर लूं, एक पार्टी का परित्याग कर दूसरे में शामिल हो जाऊं, तो इसमें प्रज्ञा नहीं है।

राष्ट्रवाद कैसे विदा होगा? केवल तभी, जब हम उसकी परीक्षा करके बाह्य और आंतरिक क्रियाओं में उसके महत्व के प्रति जागरूक होकर उसके तमाम निहितार्थों को समझ लेंगे। बाह्य रूप से राष्ट्रवाद लोगों को वर्गों, श्रेणियों में विभाजित करता है, युद्ध और विनाश लाता है और इस बात से हर जागरूक व्यक्ति परिचित है। भीतरी तौर पर, मानसिक रूप से किसी महान तत्व, किसी देश, किसी धारणा से अपना तादात्म्य कर लेना आत्म-विस्तार का ही एक तरीका है। किसी छोटे से गांव में या बड़े शहर में, जहां कहीं मैं रहता हूं, वहां मेरी कोई गिनती नहीं होती; परंतु यदि मैं किसी बड़ी वस्तु, देश के साथ जुड़ जाता हूं, खुद को हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई कहता हूं, तो मेरे अहंकार को गौरव मिलता है, इससे मुझे तुष्टि, प्रतिष्ठा और खुशदिली का एहसास होता है।

किसी बड़ी चीज के साथ तादात्म्य कर लेना उन लोगों की एक मनोवैज्ञानिक जरूरत है, जो यह महसूस करते हैं कि आत्म-विस्तार जरूरी है और इससे लोगों के बीच द्वंद्व व संघर्ष का जन्म होता है। अतः राष्ट्रवाद से न केवल बाहरी द्वंद्व उभरता है, बल्कि आंतरिक कुंठाएं भी पनपती हैं। जब कोई व्यक्ति राष्ट्रवाद की समस्त प्रक्रिया को समझ लेता है, तब इसका उन्मूलन हो जाता है। तब इसके स्थान पर किसी विकल्प को लाने की आवश्यकता नहीं रह जाती। क्योंकि जैसे ही आप विकल्प के रूप में किसी दूसरी बात को स्वीकार करते हैं, तो यह आत्म-विस्तार का एक और साधन बन जाता है, आप किसी विश्वास के जरिये अपने को पोषित करने लगते हैं। अतः किसी भी प्रकार का विकल्प, चाहे वह जितना आदर्शपूर्ण हो, अज्ञान का ही एक रूप है। यह तो वही बात हुई, जैसे कोई व्यक्ति धूम्रपान की जगह चूसने वाली गोली, सुपारी अथवा ऐसे ही किसी अन्य पदार्थ का उपयोग करने लगे: लेकिन यदि कोई व्यक्ति धूम्रपान की सारी समस्या को, इसकी आदत के स्वरूप को, ऐंद्रिक अनुभूतियों को और तमाम मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को वस्तुतः समझने लगे, तो धूम्रपान अपने आप छूट जाएगा।

राष्ट्रवाद अपने विषैलेपन व दुनिया में जारी झगड़ों समेत तभी समाप्त हो सकता है, जब प्रज्ञा विद्यमान हो और प्रज्ञा सिर्फ परीक्षाएं पास करने अथवा पुस्तकों के अध्ययन से नहीं आती। प्रज्ञा तब आती है, जब समस्याओं के उपजते ही उनको समझ लिया जाता है।

जीवन ऊर्जा | क्लाइव स्टेपल्स : उनका जन्म 29 नवंबर 1898 | जन्म

आप लेखन से कुछ भी बना सकते हैं

> क्लाइव स्टेपल्स लुईस, जिन्हें सी.एस. लुईस के नाम से जाना जाता है, एक प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखक और विचारक थे। उनका जन्म 29 नवंबर 1898 को बेलफास्ट, आयरलैंड में हुआ। ₹द क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया₹ उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति है। उनका निधन 22 नवंबर 1963 को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में हुआ।

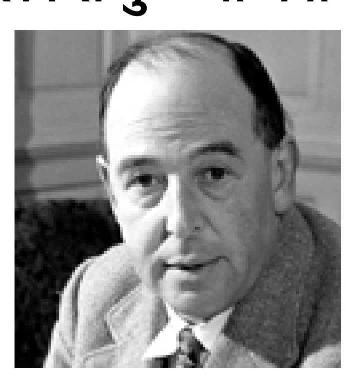

आप कभी भी एक नया लक्ष्य तय करने या नया सपना देखने के लिए बूढ़े नहीं होते। हम वही हैं जो हम मानते हैं कि हम हैं। आधुनिक शिक्षक का कार्य जंगलों को काटना नहीं, बल्कि रेगिस्तानों में पानी देना है। कोई भी व्यक्ति सामान्य नहीं होता। आपने कभी किसी साधारण इंसान से बात नहीं की। कठिनाइयाँ अक्सर साधारण लोगों को असाधारण भाग्य के लिए तैयार करती हैं। जो पीड़ा मैं अब महसूस करता हूँ, वही खुशी थी जो मुझे पहले थी। यही सौदा है। आप लेखन से कुछ भी बना सकते हैं। हम अपनी योजनाएँ बना सकते हैं, लेकिन अंतिम परिणाम भगवान के हाथ में होता है। जिस क्षण आप गाड़ी चलाने के लिए बड़े होते हैं, जिम्मेदारी आपके कंधों पर होती है। जो आदमी दूसरे संसार में था, वह अपनी पिछली दुनिया को एक अलग नजरिए से देखता है। आप जो देखते हैं और जो सुनते हैं, यह बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां खड़े हैं। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस प्रकार के व्यक्ति हैं। ईश्वर पर भरोसा हर दिन फिर से शुरू करना होता है जैसे कुछ भी अभी तक नहीं हुआ। क्या अजीब नहीं है कि दिन दर दिन कुछ भी नहीं बदलता, लेकिन जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं, तो सब कुछ अलग होता है। आप कभी भी अपनी ज़िंदगी में एक नया आरंभ कर सकते हैं। सुख का रहस्य यह नहीं है कि जो हम चाहते हैं वह करें, बल्कि यह है कि जो करना है उसे पसंद करें। अपनी खुशी को उस चीज़ पर निर्भर न करने दें जिसे आप खो सकते हैं। पृथ्वी को लक्ष्य बनाओ और कुछ भी नहीं मिलेगा। ईश्वर हमसे इसलिये प्यार नहीं करता क्योंकि हम अच्छे हैं, वह हमसे इसलिये प्यार करता है क्योंकि वह अच्छा है। प्रेम करना हमेशा जोखिम में डालने जैसा है। आगे के रास्ते में हमें जो चीजें छोड़नी पड़ती हैं, उनसे कहीं बेहतर चीजें हैं। दुनिया को और अधिक ईसाई साहित्य की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उसे अच्छे साहित्य को लिखने वाले अधिक ईसाइयों की आवश्यकता है। आपका कार्य सफलता प्राप्त करना नहीं है, बल्कि अपना सर्वश्रेष्ठ करना है, और विश्वास रखना है कि भगवान परिणामों का ध्यान रखेंगे।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

अहंकार और प्रति अहंकार का अलग होना

अब इनमें से कितने साकार होते हैं और कितने नहीं? भगवान ही जानता है! लेकिन आप लोग जिन्हें आत्मसाक्षात्कार हो गया है, वे जानते हैं कि जब आपको पहली बार आत्मसाक्षात्कार होता है, तो आपका सहस्रार खुल जाता है और आप कंपन के साथ एक हो जाते हैं। फिर उसके बाद यहीं रहता है। उसकी दृष्टि अपनी तथा दूसरों की कुण्डलिनी पर पड़ती है। लेकिन उसके भीतर से जो कंपन आ रहा है, वह कभी-कभी एकदम से बंद हो जाता है। यदि वह अपना हाथ सिर के ऊपर उस स्थान पर रखता है जहां कोई नरम स्थान है तो वह देखेगा कि यह कैल्सीकृत हो गया है। अब आपको कल बोध हुआ और यह शांत हो गया। उसका कारण क्या है? इसका कारण यह है कि हमारा अहंकार और प्रति अहंकार अलग हो जाते हैं और हमारा ध्यान केंद्र में आ जाता है लेकिन फिर वे फिर से बढ़ते हैं और एक हो जाते हैं जिससे कैल्सीफिकेशन हो जाता है और प्रवाह रुक जाता है। लेकिन फिर भी, आप कुंडलिनी को समझ सकते हैं। कैसे? यदि आप वापस आएं और अपने हाथ मेरी ओर रखें और ध्यान में जाएं तो आप देख पाएंगे कि इस हाथ या अंगूठे ने पकड़ लिया है क्योंकि उन्हें अपना बोध है। लेकिन एक अबोध व्यक्ति जब मेरी ओर हाथ करके बैठेगा तो उसे कुछ भी महसूस नहीं होगा। उन्हें लगेगा कि मेरी यह उंगली पकड़ी गयी है। इसमें एक में आ रहा है, दूसरे में नहीं। और जो जानकार होंगे उन्हें समझ आ जाएगा कि कौन सी उंगली किस चक्र से जुड़ी है। इसे मानसिक गणना से नहीं जाना जा सकता। मैंने तुम्हें नहीं बताया। क्योंकि अगर मैंने तुम्हें बताया तो लोग कहेंगे कि माताजी तो बेकार की बातें कर रही हैं। तो मुझे बेहतर महसूस हुआ। अपने लिए देख लो। फिर जब उसने अपना हाथ दूसरे की तरफ किया तो उसकी उंगली जलने लगी। तो फिर मैंने कहा, 'अपना हाथ उसके नाभि चक्र पर रखो और देखो। अपनी आंखें बंद करें और देखें कि कौन सा चक्र घूम रहा है। आप देखेंगे कि आपकी नाभि हिल रही है। इसलिए जब आपने अपना हाथ उसकी ओर किया तो आपने देखा कि नाभि चक्र से जुड़ी उंगली जल रही थी। और जब वे उस आदमी की ओर अपना हाथ रखेंगे तो सभी को अपने ऊपर एक जैसी उंगली महसूस होगी। आप इसके बारे में कोई भी किताब लिख सकते हैं लेकिन यह जिस तरह से काम करता है, यह उसी तरह से काम करता है। कल ही एक व्यक्ति मुझसे ज्ञानेश्वरी के विषय में बहस कर रहा था। यदि ज्ञानेश्वर यहां होते तो हम आज उनसे पूछ सकते थे। वह भी इसे समझाने का तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके क्योंकि बहुत कम उम्र में ही उनकी मृत्यु हो गई। बहुत से लोगों के समय से पहले मरने के कारण संसार में बहुत भ्रान्ति फैल गयी है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

काल्पनिक रुकावटों से आगे बढ़ें, मिलेगी कामयाबी

स्वामी विवेकानंद का बहुत लोकप्रिय कथन है 'उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य को न पा लो'। हममें से ज्यादातर लोगों ने इसे कभी न कभी जरूर पढ़ा होगा। इस बात से प्रेरणा लेने के बजाए हम एक या दो बार असफलता मिलने पर प्रयास छोड़कर ही बैठ जाते हैं। हमारे दिमाग में यह इस तरह बैठ जाता है कि हम उस बारे में सोचना भी छोड़ देते हैं। इसके विपरीत अगर हम अपनी कोशिशें जारी रखें तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। यही बात हमारी आज की कहानी में भी बताई जा रही है।

एक प्रयोग में एक रिसर्च बायोलॉजिस्ट ने एक बड़े से टैंक में शार्क मछली को रखा और फिर उसी टैंक में छोटी मछलियों को भी डाल दिया। शार्क ने छोटी मछलियों को खाना शुरू कर दिया और कुछ ही घंटों में सभी छोटी मछलियां शार्क का आहार बन चुकी थीं। हर बार यही होता। बायोलॉजिस्ट ने अब अपने प्रयोग में थोड़ा परिवर्तन किया और एक मजबूत फाइबर की ट्रांसपैरेंट स्लाइड को उस टैंक में ऐसे डाला कि टैंक दो भागों में बंट जाए। एक भाग में शार्क और दूसरे भाग में छोटी मछलियों को रखा। आदतन शार्क ने छोटी मछलियों पर हमला करना चाहा तो वे उस स्लाइड से टकरा गईं। शार्क ने प्रयास नहीं छोड़ा और हमला करती रही। यह प्रयोग कुछ हफ्तों तक जारी रहा। शार्क ने हमला करना जारी रखा, लेकिन उसके प्रयास में लगातार कमी आती गई। फिर एक समय ऐसा आया कि शार्क ने यह मान लिया कि वह छोटी मछलियों को नहीं खा सकती। उसने प्रयास करना ही छोड़ दिया। बायोलॉजिस्ट ने अब फाइबर की स्लाइड को वहां से हटा दिया। लेकिन यह क्या, शार्क को तो इससे कोई फर्क हीं नहीं पड़ा। उसने यह मान लिया था कि एक दीवार है, एक अवरोध है, जिसे वह पार नहीं कर सकती। उसने प्रयास करना ही छोड़ दिया अब छोटी मछलियां आराम से उसी टैंक में तैर रहीं थी और उसे शार्क से कोई खतरा भी नहीं था।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

करघा व्यर्थ हुआ

करघा व्यर्थ हुआ
कबीर ने बुनना छोड़ दिया।

काशी में
नंगों का बहुमत,
अब चादर की
किसे जरूरत,
सिर धुन रहे कबीर
रूई का
धुनना छोड़ दिया।

धुंध भरे दिन
काली रातें,
पहले जैसी
रहीं न बातें,
लोग काँच पर मोहित
मोती
चुनना छोड़ दिया।

तन मन थका
गाँव घर जाकर,
किसे सुनाएँ
ढाई आखर,
लोग बुत हुए
सच्ची बातें
सुनना छोड़ दिया।

त्रिलोक सिंह ठकुरेला

ग़ज़ल

ख़याल

मैं ख़याल हूँ किसी और का मुझे सोचता कोई और है
सर-ए-आईना मिरा अक्स है पस-ए-आईना कोई और है

मैं किसी के दस्त-ए-तलब में हूँ तो किसी के हर्फ़-ए-दुआ में हूँ
मैं नसीब हूँ किसी और का मुझे माँगता कोई और है

अजब ए'तिबार ओ बे-ए'तिबारी के दरमियान है ज़िंदगी
मैं क़रीब हूँ किसी और के मुझे जानता कोई और है

मिरी रौशनी तिरे ख़द्द-ओ-ख़ाल से मुख़्तलिफ़ तो नहीं मगर
तू क़रीब आ तुझे देख लूँ तू वही है या कोई और है

तुझे दुश्मनों की ख़बर न थी मुझे दोस्तों का पता नहीं
तिरी दास्ताँ कोई और थी मिरा वाक़िआ कोई और है

वही मुंसिफ़ों की रिवायतें वही फ़ैसलों की इबारतें
मिरा जुर्म तो कोई और था प मिरी सज़ा कोई और है

कभी लौट आएँ तो पूछना नहीं देखना उन्हें ग़ौर से
जिन्हें रास्ते में ख़बर हुई कि ये रास्ता कोई और है

जो मिरी रियाज़त-ए-नीम-शब को 'सलीम' सुब्ह न मिल सकी
तो फिर इस के मअ'नी तो ये हुए कि यहाँ ख़ुदा कोई और है

– सलीम कौसर

देशांतर कहानी

ऐसे ही किसी दिन

गाब्रिएल गार्सिया मार्केज

उस सोमवार की सुबह, गर्म और बिना बारिश वाली हुई। तड़के जागने वाले औरेलियो एस्कोवार ने, जो दाँतों का बिना डिग्री वाला डाक्टर था, अपना क्लीनिक छह बजे ही खोल दिया। उसने शीशे की आलमारी से नकली दाँत निकाले, जो अब भी खड़िया-मिट्टी के साँचे में जड़े हुए थे, और मुट्ठी भर औजारों को उनके आकार के क्रम में मेज पर यूँ सजा के रखा जैसे उनकी नुमाइश की जा रही हो। उसने बिना कालर वाली एक धारीदार कमीज पहन रखी थी जिसके बंद गले पर सुनहरा बटन था, और उसकी पैंट गेलिस से बँधी हुई थी। वह दुबला-पतला सींकिया इनसान था जिसकी निगाह कभी-कभार ही हालात के अनुरूप हो पाती थी, जैसा कि बहरे लोगों की निगाहों के मामले में होता है।

औजारों को मेज पर व्यवस्थित करने के बाद वह ड्रिल को कुर्सी के पास खींच लाया और नकली दाँतों को चमकाने बैठ गया। वह अपने काम के बारे में सोचता नहीं दिख रहा था, बल्कि, ड्रिल को अपने पैरों से चलाते हुए, तब भी जबकि उसकी जरूरत नहीं होती थी, वह निरंतर काम किए जा रहा था।

आठ बजे के बाद खिड़की से आसमान को देखने के इरादे से, वह थोड़ी देर के लिए रुका और उसने देखा कि दो विचारमग्न बाज बगल के मकान की शहतीर पर धूप ले रहे थे। वह इस खयाल के साथ फिर काम में जुट गया कि दोपहर के खाने के पहले फिर से बारिश होगी। अपने ग्यारह वर्षीय बेटे की तेज आवाज से उसका ध्यान भंग हुआ।

'पापा।'

'क्या है?'

'मेयर पूछ रहे हैं कि क्या आप उनका दाँत निकाल देंगे।'

'उससे बता दो कि मैं यहाँ नहीं हूँ।'

वह एक सोने का दाँत चमका रहा था। हाथ भर की दूरी पर ले जाकर उसने आँखें भींचकर दाँत को जाँचा-परखा। छोटे से वेटिंग रूम से फिर उसका बेटा चिल्लाया।

'वो कह रहे हैं कि आप यहीं हैं, और यह भी कि वह आपकी आवाज सुन सकते हैं।'

दंतचिकित्सक ने दाँतों की जाँच-पड़ताल जारी रखी। उसे मेज पर बाकी चमकाए जा चुके दाँतों के साथ रखने के बाद ही वह बोला : 'अच्छा है, सुनने दो उसे।'

वह फिर से ड्रिल चलाने लगा। उसने गत्ते के डिब्बे से, जहाँ कि वह ऐसी चीजें रखता था जिनपर काम करना बाकी है, कुछ दाँत निकाले और सोने को चमकाने में जुट गया।

'पापा।'

'क्या है ?'

उसने अब भी अपना हाव-भाव नहीं बदला था।

'वह कह रहे हैं कि अगर आप उनका दाँत नहीं निकालेंगे तो वह आपको गोली मार देंगे।'

बिना हड़बड़ाए, बहुत स्थिर गति से उसने ड्रिल को पैडल मारना बंद किया, उसे कुर्सी से परे धकेला और मेज की निचली दराज को पूरा बाहर खींच लिया। उसमें एक रिवाल्वर पड़ी थी। 'ठीक है,' उसने कहा। 'उससे कहो कि आकर मुझे गोली मार दे।'

उसने कुर्सी को घुमाकर दरवाजे के सामने कर लिया, उसका हाथ दराज के सिरे पर टिका हुआ था। मेयर दरवाजे पर नजर आया। उसने अपने चेहरे के बाईं तरफ तो दाढ़ी बनाई हुई थी, लेकिन दूसरी तरफ, सूजन और दर्द की वजह से पाँच दिन की बढ़ी हुई दाढ़ी मौजूद थी। दंतचिकित्सक ने उसकी नीरस आँखों में कई रातों की नाउम्मीदी देखी। उसने अपने उँगली के पोरों से दराज को बंद कर धीरे से कहा :

'बैठ जाओ।'

'गुड मार्निंग,' मेयर ने कहा।

'मार्निंग,' दंतचिकित्सक ने जवाब दिया।

'क्यों?'

'क्योंकि अंदर एक घाव है।'

मेयर ने उसकी आँखों में देखा। 'ठीक है,' उसने कहा, और मुस्कराने की कोशिश की। दंतचिकित्सक जवाब में नहीं मुस्कराया। अब भी बिना किसी जल्दबाजी के वह, विसंक्रमित औजारों का पात्र, काम करने की मेज तक ले आया और उन्हें एक ठंडी चिमटी की सहायता से पानी से बाहर निकाला। फिर उसने पीकदान को जूते की नोक से धकेला और वाशबेसिन में हाथ धुलने के लिए गया। यह

सब उसने मेयर की तरफ देखे बिना ही किया। लेकिन मेयर ने उस पर से अपनी नजरें नहीं हटाईं।

घाव अक्ल दाढ़ के निचले हिस्से में था। दंतचिकित्सक ने अपने पैर फैलाकर गर्म संडासी से दाँत को पकड़ लिया। मेयर ने कुर्सी के हत्थों को मजबूती से थाम लिया, अपनी पूरी ताकत से पैरों को कड़ा कर लिया और अपने गुर्दों में एक बर्फीला खालीपन महसूस किया मगर कोई आवाज नहीं निकाली। दंतचिकित्सक ने महज अपनी कलाई को हरकत दी। बिना किसी विद्वेष के, बल्कि एक कटु कोमलता के साथ, उसने कहा :

'अब तुम हमारे बीस मारे गए लोगों की कीमत अदा करोगे।'

मेयर ने अपने जबड़े में हड्डियों की चरमराहट महसूस की, और उसकी आँखें आँसुओं से भर आईं। लेकिन उसने तब तक साँस नहीं लिया जब तक कि उसे दाँत निकलने का एहसास न हो गया। फिर उसने अपने आँसुओं के बीच से उसे देखा। उसके दर्द के चलते वह इतना पराया नजर आ रहा था कि वह अपनी पिछली पाँच रातों की यातना समझने में नाकाम रहा।

पीकदान पर झुके, पसीने से तर, हाँफते हुए उसने अपनी जैकेट की बटन खोली और पैंट की जेब से रूमाल निकालने को हुआ। दंतचिकित्सक ने उसे एक साफ़ कपड़ा दिया।

'अपने आँसू पोंछ लो,' उसने कहा।

जब औजार उबल रहे थे, मेयर ने अपना सर कुर्सी के सिरहाने पर टिका दिया और कुछ बेहतर महसूस करने लगा। उसकी साँसे सर्द थीं। यह एक घटिया क्लीनिक थी : एक पुरानी लकड़ी की कुर्सी, पैर से चलने वाली एक ड्रिल, मिट्टी की शीशियों से भरी एक शीशे की आलमारी। कुर्सी के सामने एक खिड़की थी जिस पर कंधों की ऊँचाई तक के परदे पड़े हुए थे। जब उसने दंतचिकित्सक को आता हुआ महसूस किया, तो उसने अपनी एड़ी को कड़ा करके मुँह खोल दिया।

औरेलियो एस्कोवार ने अपना सर रोशनी की दिशा में घुमा लिया। संक्रमित दाँत के मुआयने के बाद उसने उँगलियों के सतर्क दबाव से मेयर का जबड़ा बंद कर दिया।

'यह काम संवेदनशून्य किए बिना ही करना पड़ेगा,' उसने कहा।

मेयर ने ऐसा ही किया। वह काँप रहा था। जब दंतचिकित्सक अपने हाथ धुल रहा था, उसने जीर्ण-शीर्ण छत और धूल से अटे, मकड़ी के अंडों और मरे हुए कीड़े-मकोड़ों से भरे मकड़ी के जाले की तरफ देखा। अपने हाथ पोंछते हुए दंतचिकित्सक वापस लौटा। 'जाकर सो जाओ,' उसने कहा, 'और नमक-पानी से गरारा कर लेना।' मेयर उठ खड़ा हुआ और एक अनौपचारिक फौजी सलामी के साथ विदा लेकर, जैकेट की बटन बंद किए बिना ही, अपने पैर फैलाते, दरवाजे की ओर बढ़ चला।

'बिल भेज देना,' उसने कहा।

'तुम्हारे या शहर के नाम?'

मेयर ने उसकी तरफ नहीं देखा। उसने दरवाजा बंद कर दिया और परदे के पीछे से कहा :

'एक ही बात है।'

अनुवाद : मनोज पटेल

लघुकथा

बुरी कल्पना

उसने बताया कि उसके पति नहीं रहे थे। वह इससे कुछ ख़ास परेशान नहीं लग रही थी। शायद वे लंबे समय से बीमार रहे हों और यह इतना अनपेक्षित न रहा हो। कह लीजिए कि एक तरह की राहत की बात ही हो। या शायद वह असल में उनसे प्यार न करती रही हो, या अब उनसे प्यार न रह गया हो और उसे इस बात की बहुत परवाह न हो कि वे जा चुके हैं। या क्या पता...। उसने उन्हें मार ही डाला हो। उसे किसी दुर्घटना का रूप दे दिया हो जैसा कि लोग अक्सर करते रहते हैं, और पुलिस भी इस तरह की आम, साधारण मौत की जांच-पड़ताल नहीं करती। यह पहले पन्ने की खबर नहीं बनी थी (वे ख्यात या कुख्यात नहीं, एक मामूली इंसान थे), विरासत में भारी धन-दौलत छोड़ के नहीं गए थे और मौत भी रक्त-रंजित या किसी तरह की ज्यादती से नहीं हुई थी। जाहिर तौर पर वह सामान्य ढंग से गुजर जाना भर था जिसमें कोई गहरा राज छिपा हो सकता था।

– रॉड ड्रेक

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष – उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृष – चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें।

मिथुन – विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी।

कर्क – डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

सिंह – योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं।

कन्या – कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है।

तुला – बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

वृश्चिक – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु – स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे।

मकर – रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुंभ – विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा।

मीन – मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

इन बातों को अपनाकर जीवन करें खुशहाल

सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें।

एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढ़ाएं।

सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं।

मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं।

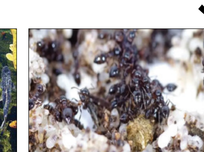

चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं।

शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपड़े में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

इन उपायों को पूर्ण श्रद्धा के साथ करने से जीवन में समृद्धी व खुशहाली आने लगती है।

अपने पति को खिलाएं खीर, बढ़ेगा प्रेम

अगर आपके दाम्पत्य जीवन में पहले जैसी मधुरता नहीं रही या फिर रोज किसी न किसी बात पर पति-पत्नी के बीच झगड़े होते हों तो समझ लीजिए कि आपके दाम्पत्य जीवन में प्रेम का अभाव हो गया है। इस प्रेम को बढ़ाने के लिए एक छोटा मगर असरदार उपाय इस प्रकार है-

दाम्पत्य जीवन सुखी हो जाएगा

शुक्ल पक्ष में पडने वाले किसी शुक्रवार के दिन पत्नी अपने हाथों से प्रेम पूर्वक साबूदाने की खीर बनाएं लेकिन उसमें शक्कर के स्थान पर मिश्री डालें। इस खीर को सबसे पहले भगवान को अर्पित करें और इसके बाद पति-पत्नी थोड़ी-थोड़ी एक-दूसरे को खिलाएं। भगवान से सुखमय दाम्पत्य की कामना करें। इस दिन किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर इत्र का दान करें। अपने शयनकक्ष में इत्र कदापि न रखें। कुछ दिनों तक यह प्रयोग करते रहें । कुछ ही दिनों में दाम्पत्य जीवन सुखी हो जाएगा।

प्रियंका जैन
9769994439

हेमंत सोरेन चौथी बार बने सीएम

झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

एजेंसी | रांची

राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में हेमंत सोरेन सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हेमंत सोरेन को झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलायी। उन्होंने चौथी बार सीएम पद की शपथ ली। इस मौके पर मंच पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन, रूपी सोरेन, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई दिग्गज मौजूद रहे।

हेमंत सोरेन ने अकेले ही शपथ ली

गुरुवार को हेमंत सोरेन ने फिर झारखंड की बागडोर संभाल ली। राज्य में फिर हेमंत सोरेन की सरकार है। शपथ ग्रहण समारोह में सिर्फ उन्होंने ही मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हालांकि पहले कांग्रेस और राजद कोटे से एक-एक मंत्री के शपथ लेने की चर्चा थी, लेकिन 'इंडिया गठबंधन' में इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका था। यही वजह रही कि हेमंत सोरेन ने अकेले ही शपथ ली।

इन्हें दिया गया था राजकीय अतिथि का दर्जा

अबुआ सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होनेवाले नेताओं को राजकीय अतिथि का दर्जा प्राप्त था। देश के विभिन्न राज्यों से अतिथि रांची पहुंचे। कांग्रेस, राजद और भाकपा माले के वरिष्ठ नेता समारोह में शामिल हुए। समारोह में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। दर्जनभर से ज्यादा आला अधिकारियों को शपथ ग्रहण समारोह की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने समारोह में उपस्थिति दर्ज कराकर ताकत दिखायी।

संभल हिंसा

मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक गिरफ्तार

एजेंसी | संभल

संभल में 24 नवंबर को हुए पथराव और हिंसा के मामले में पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान फरहत के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दावा किया था कि हिंसा के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं।

खबर संक्षेप

20 करोड़ की लागत से होगा स्टेडियम का पुनर्निर्माण

पटना : बिहार में बेहद जल्द एक और विश्वस्तरीय स्टेडियम बनने जा रहा है। इसके लिए सरकारी स्तर पर पहल शुरू हो गया है। राजगीर खेल परिसर की भव्यता वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुकी है। बीते दिनों यहां महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्राफी का सफल आयोजन हुआ। इसमें भारत के अलावा चीन, कोरिया, जापान, थाईलैंड और मलेशिया की टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों के कप्तान ने इस खेल परिसर की तारीफ की। इसी बीच बिहार सरकार ने मधुबनी जिले में बने खेल स्टेडियम के पुनर्निर्माण के लिए 20 करोड़ से ज्यादा राशि की स्वीकृति दी है। काम पूरा होने के बाद जल्द ही स्टेडियम नए लुक में उपलब्ध होगा। जर्जर स्टेडियम के पुनर्निर्माण के लिए खेल विभाग द्वारा 20 करोड़ 37 लाख 28 हजार की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गयी है। इस संबंध में बिहार राज्यपाल के आदेश से सरकार के उप सचिव निरंजन कुमार ने महालेखाकार पटना को पत्र दिया है। विभाग द्वारा स्वीकृति मिलते ही मधुबनी के लोग काफी खुश हो गए।

सेफ्टी टैंक में मिला बच्चे का शव

हापुड़ : हापुड़ के पिलखुवा स्थित कोतवाली क्षेत्र के गांव कस्तला कासमाबाद में तीन वर्षीय मासूम ध्रुव की संदिग्ध परिस्थितयों में मौत हो गई। मासूम का शव पड़ोसी के निर्माणाधीन मकान में बने सेफ्टी टैंक में पड़ा मिला। मृतक के पिता ने हत्या की तहरीर थाने में दी है। पुलिस ने पूछताछ के लिए एक को हिरासत में लिया है। कस्तला कासमाबाद निवासी विपिन कुमार के तीन वर्षीय पुत्र ध्रुव का शव बुधवार की देर रात पड़ोसी के निर्माणाधीन मकान में बने टैंक में पड़ा मिलने से गांव में कोहराम मच गया।

विधायकों को स्वास्थ्य निधि में मिलते हैं 25 लाख, लेकिन एक भी गरीब का नहीं कराया इलाज

बलिया : बलिया जिले के सात विधायकों में से एक ने भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपनी स्वास्थ्य निधि से किसी गरीब का इलाज नहीं कराया। हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में दो मंत्री और सपा के एक विधायक ने जिले के चार गरीबों के इलाज के लिए ग्राम्य विकास विभाग को आवेदन दिया था। इनमें दो का आवेदन निरस्त हो गया। दो लोगों को स्वास्थ्य निधि से मदद मिली। विधायक को स्वास्थ्य निधि के लिए 25 लाख रुपये का बजट मिलता है, जिसे वे गंभीर रूप से बीमार किसी गरीब के इलाज में खर्च कर सकते हैं। जनपद की सात विधानसभाओं में एक सुभासपा, एक बसपा, दो भाजपा और तीन सपा के विधायक हैं। विधायकों की तरह एमएलसी को भी स्वास्थ्य निधि में 25 लाख मिलते हैं। कोई भी विधायक या एमएलसी किसी एक मरीज पर अधिकतम पांच लाख रुपये तक खर्च कर सकना है।

पांच मेडिकल कॉलेजों में नियुक्त होंगे 167 असिस्टेंट प्रोफेसर

एजेंसी | रांची

राज्य के पांच सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में विभिन्न विभागों में शैक्षणिक संवर्ग के सहायक प्राध्यापक के रिक्त पड़े 167 पदों पर संविदा पर नियुक्ति की जायेगी। इसे लेकर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने आवेदन आमंत्रित किया है। नियुक्ति वाक- इन- इंटरव्यू के माध्यम से की जायेगी। पांच और छह को होगा इंटरव्यू : एनाटोमी, फिजियोलॉजी, बॉयोकेमेस्ट्री, माइक्रोबॉयोलॉजी, फार्माकोलॉजी, पीएसएम, अस्थि, निश्चेतना, दंत, मनोरोग और पीएसएम विभाग में रिक्त पदों के लिए पांच दिसंबर और औषधि, सर्जरी, शिशु रोग, पैथोलॉजी व स्त्री एवं प्रसव विभाग में रिक्त पदों के लिए छह दिसंबर को रिम्स के प्रशासनिक भवन में दिन के 10 बजे से इंटरव्यू होगा।

सहायक प्राध्यापक को डेढ़ लाख महीना मिलेगा मानदेय

सहायक प्राध्यापक को प्रति माह मानदेय के तौर पर 1 l50 लाख रुपये भुगतान किया जायेगा। इसके अतिरिक्त इन्हें अन्य कोई भत्ता व सुविधा नहीं दी जायेगी। इनकी नियुक्ति 70 वर्ष की आयु तक दो वर्ष को लिए होगी। दो वर्ष की संविदा अवधि समाप्त होने के बाद प्रदर्शन संतोषजनक पाये जाने पर अगले एक वर्ष के लिए इन्हें सेवा विस्तार दिया जायेगा।

पछुआ हवा से बिहार में लुढ़केगा पारा

एजेंसी | पटना

बिहार के लोगों को दिसंबर महीने में जोरदार ठंड का सामना करना पड़ सकता है।मौसम विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में बताया कि प्रदेश में 28 नवंबर से तापमान में गिरावट दर्ज की जाने लगेगी। बिहार में अभी से ही सुबह और रात के वक्त कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। इस दौरान ठिठुरन भी बढ़ गई है। दिन में 11 बजे के आसपास धूप आने से ठंड का असर नहीं दिखता है लेकिन शाम होते-होते कोहरा और ठंड का असर दिखने लगता है।

पछुआ हवा के कारण मौसम में बदलाव

मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक पछुआ हवा के कारण पटना सहित राज्य के कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। साथ ही बिहार के अधिकांश जिलों में सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने बताया था कि बिहार के उत्तर पूर्व के जिलों में 30 नवंबर या एक दिसंबर को हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इनमें पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, अररिया और भागलपुर शामिल है। इसका असर पूरे बिहार में दिखेगा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में बिहार में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल जायेगा।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

शाम को थी बेटे की शादी, सुबह हो गई पिता की मौत

एजेंसी | साहिबगंज

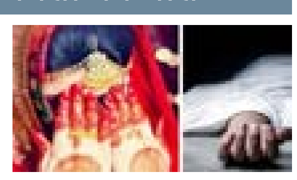

साहिबगंज जिले के एक घर में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में तब्दील हो गईं, जब बेटे के विवाह से पहले पिता की मौत हो गई। मामला जिले के रांगा थाना क्षेत्र के बड़ा दिग्घी गांव का है। गांव में खुशी का माहौल था। परिवार में मंगल गीत गाये जा रहे थे। अजय मंडल (38) के बेटे सुजन मंडल की शादी थी। शाम को बारात निकलनी थी। इससे पहले सुबह में अजय मंडल की मौत की खबर आ गई। इस अनहोनी ने पूरे गांव को गम से भर दिया। घर में चीख-पुकार मच गई। मालदा रेल मंडल के बरहरवा-बाकुड़ी रेलखंड के दिग्घी फाटक के पास बुधवार सुबह अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से 38 वर्षीय अजय मंडल की मौत हो गयी। जैसे ही घर में इसकी खबर पहुंची, शादी में शामिल होने के लिए आए रिश्तेदार भी रो पड़े।

'सुधरो या सुधारेंगे'

जमीन सर्वे में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर भड़के दिलीप जायसवाल

एजेंसी | पटना

बिहार सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल ने जमीन सर्वेक्षण के दौरान लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि 'सुधर जाओ वरना सुधार देंगे'। शीतकालीन सत्र के दौरान दिलीप जायसवाल ने कहा, 'प्रदेश की एनडीए सरकार जनता की समस्याओं को लेकर अत्यंत गंभीर है। सरकारी काम में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लगातार शिकायतों को देखते हुए 139 सीओ का वेतन रोका गया है। कर्मचारियों को अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाने की जरूरत है, वरना कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।'

मंत्री ने दिया अपडेट

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल ने विधान परिषद में कहा कि जमीन सर्वे मामले में लोगों को जो कागजात नहीं मिल रहे होंगे, सरकार ने उसके लिए पंद्रह तरह के विकल्प दिये हैं। कागजात उपलब्ध कराने के बाद ही सर्वे का काम पूरा होगा। आम लोगों को कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए सरकार हर कदम उठाने को तैयार है। प्रो संजय कुमार सिंह के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का निर्देश है कि सर्वे बेहतर ढंग से हो ताकि भविष्य में लोगों को परेशानी नहीं हो। इस कारण 15 तरह की पहचान को मान्यता दी गयी है। इससे वैसे लोगों को राहत मिलेगी, जो वर्षों से कहीं और रह रहे हैं और उनके पास जरूरी कागजात नहीं है।

पटना के बाद गया में दौड़ेगी मेट्रो

एजेंसी | गया

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजधानी पटना में मेट्रो के निर्माण का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके साथ ही सूबे के कई और जिलों में नीतीश सरकार मेट्रो चलाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए युद्ध स्तर पर सर्वे का काम जारी है। इस बीच गया के सांसद और मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गया मेट्रो को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने एक पोस्ट के माध्यम से इस बात की जानकारी दी कि जल्द ही अब जिले में भी मेट्रो का निर्माण किया जाएगा।

HAM हर वादा पूरा करेंगे: जीतन राम मांझी

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने लिखा हमारा गया जी अब सिटी के नाम से नहीं बल्कि मेट्रो सिटी के नाम से जाना जाएगा। जल्द ही गया वासियों के कान में आवाज सुनाई देगी। अगला स्टेशन विष्णुपद है,दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे। HAM हर वादा पूरा करेंगे।

व्यापार जगत

ईपीएफओ ऑफिस बद्दी में CBI का छापा

क्षेत्रीय आयुक्त समेत तीन को किया गिरफ्तार

एजेंसी | सोलन

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 10 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) बद्दी कार्यालय के क्षेत्रीय आयुक्त हिसार के रवि आनंद, प्रवर्तन अधिकारी बिलासपुर निवासी मदन लाल भट्टी और प्राइवेट कंसल्टेंट संजय कुमार निवासी बिहार को गिरफ्तार किया है। पांच लाख कैश और 5 लाख रुपये चेक के माध्यम से मांगे थे। आरोप है कि प्रवर्तन अधिकारी ने शिकायतकर्ता की फर्म के पीएफ के पांच साल पुराने मामले को निपटाने के लिए कंसल्टेंट के माध्यम से अपने और ईपीएफओ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 10 लाख की रिश्वत मांगी थी। मांग पूरी न करने पर आरोपी ने 45-50 लाख की वसूली की बात की गई थी। रिश्वत की मांग करने पर शिकायतकर्ता ने 23 नवंबर को एसपी सीबीआई (एसीबी) शिमला को शिकायत दी। शिकायत पर सीबीआई ने जांच की तो यह आरोप सही पाए गए और 24 नवंबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

क्षेत्रीय आयुक्त के चंडीगढ़ स्थित आवास परिसर से 23.5 लाख बरामद

सीबीआई टीम ने इस मामले में मंगलवार को सोलन, शिमला, बद्दी में आरोपियों के आवासों और आधिकारिक परिसरों में भी दबिश दी थी। इस दौरान सीबीआई ने क्षेत्रीय आयुक्त रवि आनंद के चंडीगढ़ स्थित आवास परिसर से 23 .5 लाख रुपये के साथ अन्य दस्तावेज भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सीबीआई राजेश चहल की अगुवाई में 9 सदस्यीय टीम ने आरोपियों को पकड़ने की कार्रवाई को अंजाम दिया।

सेंसेक्स 1190 अंक गिरकर 79,043 के स्तर पर बंद

एजेंसी | मुंबई

सेंसेक्स आज यानी 28 नवंबर को 1190 अंक (1.48%) की गिरावट के साथ 79,043 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 360 अंक (1.49%) की गिरावट रही, ये 23,914 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉलकैप 221 अंक (0.41%) चढ़कर 54,782 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट और केवल 1 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में गिरावट और 4 में तेजी रही। NSE का IT सेक्टर सबसे ज्यादा 2.39% गिरावट के साथ बंद हुआ।

अप्रत्याशित लाभ कर की प्रभावशीलता की होगी समीक्षा

एजेंसी | नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर की प्रभावशीलता की समीक्षा करेगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हो गई हैं। घरेलू आपूर्ति की कीमत पर ईंधन के निर्यात पर कुछ तेल रिफाइनरियों द्वारा अर्जित अभूतपूर्व मुनाफे के मद्देनजर सरकार ने जुलाई 2022 में पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन ईंधन पर निर्यात कर लगाने का फैसला किया था। सरकार ने सितंबर में घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर प्रति टन अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर शून्य कर दिया था।

विकसित भारत के लिए नई कर संहिता की जरूरत

एजेंसी | नई दिल्ली

विशेषज्ञों ने कहा है कि समग्र रूप से नई कर संहिता की आवश्यकता है, जिसमें कम दर, कर आधार बढ़ाने, बेहतर संग्रह और विकसित भारत के लिए अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया जाए। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के पूर्व चेयरमैन पी सी झा ने कहा, यह निश्चित रूप से अच्छी स्थिति नहीं है कि जीएसटी के तहत हमारे पास इतनी सारी कर दरें हैं। आदर्श रूप से, जीएसटी में कर की एक दर होनी चाहिए, लेकिन हमारे देश में एक कर दर होना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 12 और 18 प्रतिशत को मिलाकर 16 प्रतिशत की एकल दर बनाई जा सकती है और तीन कर दरों (पांच प्रतिशत, 16 प्रतिशत और 28 प्रतिशत) पर विचार किया जा सकता है।

लागत बढ़ने से टैक्स को घटाने की योजना बना रहीं 91 फीसदी कंपनियां

एजेंसी | मुंबई

भारतीय कंपनियों के लिए लागत बड़ी चिंता के रूप में उभरी है। इस कारण 91 प्रतिशत कंपनियां टैक्स व बजट को कम करने की योजना बना रही हैं। इनका मानना है कि लागत से कंपनियों के संचालन में दिक्कत आ रही है। अर्नस्ट एंड यंग (ईवाई) की रिपोर्ट के अनुसार, लागत दबाव पहली बार कंपनियों की सबसे बड़ी चिंता के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के अनुसार, टैक्स कार्यों का प्रबंधन अधिक जटिल है। डाटा के साथ कर जिम्मेदारियों को प्रबंधित करने की बढ़ती जरुरत का सामना करना पड़ रहा है। दो नए नियमों के लागू होने से कर और वित्त कार्यों पर महत्वपूर्ण असर पड़ने की उम्मीद है। इससे कंपनियां अब वैकल्पिक परिचालन मॉडल पर विचार कर रही हैं जो कर और वित्त परिचालन को चलाने के तरीकों में एक रणनीतिक बदलाव का संकेत दे रहा है।

नियामक बोझ बढ़ने से बजट पर दबाव

रिपोर्ट के अनुसार जैसे-जैसे विनियामक और रिपोर्टिंग बोझ बढ़ता है, टैक्स और वित्त कार्यों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में कंपनियों को अब आगे कार्य रणनीति, प्रक्रियाओं, डाटा गुणवत्ता, ऑडिट तैयारी आदि से संबंधित नई समस्याओं का हल जल्द खोजना महत्वपूर्ण होगा।

सोना महंगा हुआ, चांदी में रही गिरावट

- सोना 112 रुपए बढ़कर 76287 रुपए पर पहुंचा
- चांदी 87904 रुपए प्रति किलो बिक रही

एजेंसी | नई दिल्ली

सोने के भाव में 28 नवंबर को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 112 रुपए बढ़कर 76,287 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,175 रुपए प्रति दस ग्राम थी। वहीं, चांदी के दाम में भी गिरावट है। ये 526 रुपए गिरकर 87,904 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 88,430 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

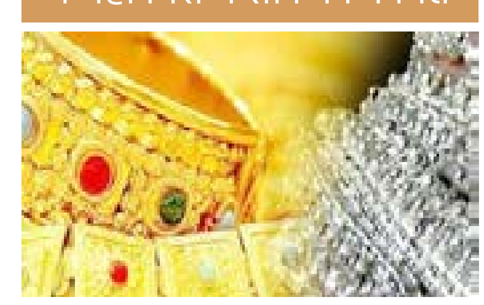

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,500 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,350 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए है।

वेबस्टर दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में

टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट के लिए हरफनमौला ब्यू वेबस्टर को चोटिल मिचेल मार्श के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया है। पांच मैचों की इस सीरीज में पर्थ में खेले गए शुरुआती टेस्ट के दौरान मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। भारत ने मैच 295 रन से जीता था। मार्श की तरह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर वेबस्टर ने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है। पिछले दो साल में उन्होंने शेफील्ड शील्ड में पांच शतकों और नौ अर्धशतकों से 1788 रन बनाए हैं। उन्होंने इस सप्ताह के शुरू में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ तस्मानिया के शेफील्ड शील्ड मैच में शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया। वेबस्टर ने इस मैच में 61 और 49 रन बनाने के अलावा पांच विकेट भी लिए थे। वेबस्टर ने कहा, मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ (ऑस्ट्रेलिया ए के लिए) कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। जब भी आप ए टीम के लिए खेलते हैं, तो यह टेस्ट से एक स्तर नीचे होता है, इसलिए यह आपको अच्छी स्थिति में रखता है। एनएसडब्ल्यू के खिलाफ मैच खत्म होने के बाद 'बेल्स' (पुरुष चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली) का फोन कॉल आना मेरे लिए वास्तव में एक गौरवपूर्ण क्षण था। मैं टीम से जुड़ने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने 30 नवंबर से प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद (दिन-रात्रि टेस्ट) अभ्यास मैच से पहले गुरुवार को भारतीय क्रिकेट टीम की एक स्वागत समारोह में मेजबानी की। यह मैच मनुका ओवल में खेला जाएगा। यह छह दिसंबर से एडिलेड में होने वाले दिन-रात्रि टेस्ट के लिए अच्छी तैयारी के तौर पर काम करेगा। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने सभी साथियों को उनसे मिलवाया। अल्बानीज ने इस दौरान पर्थ टेस्ट में टीम की जीत के नायक रहे जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली की प्रशंसा की। ऑस्ट्रेलिया की संसद में बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, इस सप्ताह मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के सामने एक शानदार भारतीय टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती होगी। जैक एडवर्ड्स के नेतृत्व में प्रधानमंत्री एकादश ने भी अल्बानीज से भी मुलाकात की। क्रिकेट कूटनीति भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों का एक हिस्सा है।

लिरेन पर बढ़त बनाने उतरेंगे गुकेश

सिंगापुर। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप में शुक्रवार को चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चौथी बाजी जीतकर बढ़त बनाने की कोशिश करेंगे। गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चैंपियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की। क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैंपियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। दोनों खिलाड़ियों के एक समान 1.5-1.5 अंक हैं। गुरुवार को विश्राम रहा था। इसकी संभावना अधिक है कि स्कोर बराबर होने के लिरेन आक्रामक की जगह अधिक सतर्क रवैया अपनाएं और तीसरी बाजी में की गई गलतियों से सबक लेंगे।

आत्मविश्वास से लबरेज गुकेश

आत्मविश्वास से लबरेज गुकेश का ध्यान अपनी मानसिक बढ़त को बनाए रखने के साथ चीन के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं देने पर होगी। चेन्नई का यह खिलाड़ी सफेद मोहरों से बेहतर खेल दिखता है और वह अगर ऐसा करना जारी रखने में सफल हुए तो लिरेन दबाव में आ जाएंगे। लिरेन ने पिछला विश्व चैंपियनशिप खिताब रूस के इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ तीन बार पिछड़ने के बाद जीता था। उन्होंने तब मुकाबले के आखिरी चरण में बढ़त बनाई थी और अंतिम दिन टाईब्रेकर ने खिताब के विजेता का फैसला किया था। लिरेन की वापसी करने की क्षमता को देखते हुए उन्हें कम नहीं आंका जा सकता है। अब यह देखना होगा कि वह किस तरह से वापसी करते है।

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज छा गए

- टेस्ट में केवल 42 रन पर ऑलआउट हुई श्रीलंका
- मार्को यानसन ने झटके 7 विकेट

कोलंबो । श्रीलंका क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका क्रिकेट टीम सिर्फ 42 रन पर ऑलआउट हो गई। यह श्रीलंका का टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले साल 1994 में टीम 71 रन पर ऑलआउट हुई थी। यह पहला मौका है जब श्रीलंका की टीम 50 से कम के स्कोर पर ऑलआउट हुई है।

कैसी रही श्रीलंका की पारी?

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 191 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। कामिंदु मेंडिस ने सबसे ज्यादा 13 रन बनाए। यानसन ने 6.5 ओवर गेंदबाजी की और 13 रन देकर 7 विकेट झटके। उनके अलावा गेराल्ड कोएट्जी ने 3 विकेट और कगिसो रबाडा ने 1 विकेट लिया। यानसन के टेस्ट करियर का यह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। यानसन के टेस्ट करियर का यह दूसरा 5 विकेट हॉल है।

आईसीसी बोर्ड बैठक

चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर होगी चर्चा

दुबई। आईसीसी की शक्तिशाली बोर्ड की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुख्य चर्चा होगी। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

'जियो स्टार' ने निराशा व्यक्त की

टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक 'जियो स्टार' ने पहले ही आईसीसी के शीर्ष अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में अंतिम निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन यह समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है।

एक ही ग्रुप में रहेंगे भारत-पाक

सूत्र ने भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखने की संभावना को खारिज करते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि टेलीविजन अधिकार धारक इस बात से सहमत होंगे। वे ग्रुप चरण में ही भारत बनाम पाकिस्तान मैच की मांग करेंगे, ताकि टूर्नामेंट की लोकप्रियता और मौद्रिक आय में वृद्धि हो सके। दोनों टीमों का सामना अगर नॉकआउट चरण में होगा तो यह उनके लिए किसी बोनस की तरह होगा। भारत ने पहले ही तय कर दिया है कि नॉकआउट चरण में पहुंचने पर भी टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी ।

वर्चुअल तरीके से होगी बैठक

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी। इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। एक सूत्र ने कहा, इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेंगे। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है। आईसीसी के सदस्य पीसीबी को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।

विलियम्सन सात रन से शतक से चूके

क्राइस्टचर्च। केन विलियम्सन (93) चोट से वापसी के बाद सात रन से अपने 33वें शतक से चूक गए। उनकी शानदार पारी से न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को आठ विकेट पर 319 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने पर ग्लेन फिलिप्स 41 और टिम साउदी 10 रन बनाकर खेल रहे थे। साउदी तीन मैचों की इस सीरीज के बाद संन्यास लेने की घोषणा कर चुके हैं। विलियम्सन ने कप्तान टॉम लैथम (47) के साथ दूसरे विकेट के लिए 58, रचिन रवींद्र (34) के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 और डेरिल मिचेल (34) के साथ चौथे विकेट के लिए 69 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में रखा।

विलियम्सन को टीम में विल यंग की जगह शामिल गया जो भारत में न्यूजीलैंड़ की सीरीज जीत के नायक रहे थे। विलियम्सन चोट के कारण पिछले महीने भारत में न्यूजीलैंड की 3-0 की ऐतिहासिक जीत के दौरान टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने इस साल जून के बाद सिर्फ दो टेस्ट और एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है।

'जेलर' के सीक्वल पर काम शुरू

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' को 10 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और दुनियाभर में इस फिल्म ने 650 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। यह फिल्म पिछले साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्मों मे से एक है। 'जेलर' के सीक्वल का ऐलान पहले ही हो चुका है। अब खबर आ रही है कि निर्माताओं ने 'जेलर 2' पर काम शुरू कर दिया है।

अभिनेता के जन्मदिन पर रिलीज होगा प्रोमो

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'जेलर 2' का आधिकारिक ऐलान रजनीकांत के जन्मदिन पर यानी 12 दिसंबर, 2024 को किया जाएगा। ऐसे में यह प्रशंसकों के लिए किसी उपहार से कम नहीं होगा। फिल्म की टीम जल्द ही एक प्रोमो शूट करने वाली है। फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो भी अभिनेता के जन्मदिन पर ही

रिलीज होने वाला है।रजनीकांत जल्द ही फिल्म का पहला प्रोमो शूट करने वाले हैं, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे।

अमेजन प्राइम वीडियो पर देखें 'जेलर'

'जेलर 2' में रजनीकांत के अलावा मोहनलाल, तमन्ना भाटिया, राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन और वसंत रवि जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया था। इस फिल्म को लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत में बनी है। फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया था। फिल्म के सीक्वल के निर्देशन की कमान भी उन्होंने ही संभाली है। फिल्म की कहानी भी नेल्सन ही लिख रहे हैं। बता दें कि 'जेलर' को आप OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

यामी गौतम बनना चाहती थीं IAS अफसर

यामी गौतम उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने अपने दम पर बिना किसी गॉडफादर के हिंदी सिनेमा में अपनी एक खास जगह बनाई है। 28 नवंबर को यामी ने अपना 36वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म 'विक्की डोनर' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह कन्नड़, पंजाबी, तेलुगु और तमिल फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं यामी एक भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अफसर बनना चाहती थीं? यामी का जन्म 28 नवंबर, 1988 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में हुआ था, लेकिन उनकी परवरिश चंडीगढ़ में हुई। उनका सपना एक अभिनेत्री बनना नहीं था, बल्कि यामी IAS अफसर बनकर देश की सेवा करना चाहती थीं। हालांकि, उन्होंने अपने पिता मुकेश गौतम और पंजाबी फिल्म निर्देशक मुकेश गौतम के कहने पर अभिनय की ओर कदम बढ़ाए और हिंदी सिनेमा को एक से बढ़कर एक फिल्में दीं। यामी ने लॉ ऑनर्स में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

यामी ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और फिर कुछ टीवी शो में भी अभिनय किया। उनका पहला धारावाहिक 'चांद के पार चलो' (2008) था। टीवी में काम करते हुए यामी के हाथ एक फेयरनेस क्रीम का विज्ञापन लगा, जिसने देखते ही देखते उन्हें स्टार बना दिया।

इसके बाद अभिनेत्री को फिल्मों में काम करने को मौका मिला। वह अब तक 'बदलापुर', 'एक्शन जैक्सन', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'OMG 2' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

समय से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देगी 'देवा'

अभिनेता शाहिद कपूर को पिछली बार फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब प्रशंसा हुई। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। अब शाहिद जल्द ही फिल्म 'देवा' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। यह फिल्म अगले साल दशहरा के खास मौके पर यानी 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को 'देवा' के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

31 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी फिल्म

'देवा' निर्धारित समय से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान हो चुका है। अब यह फिल्म 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस थ्रिलर फिल्म में शाहिद की जोड़ी पहली बार दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ बनी है, जिसे देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं।

'छावा' की रिलीज टली

पिछले लंबे समय से विक्की कौशल फिल्म 'छावा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान लक्ष्मण उतेकर ने संभाली है। इस फिल्म में विक्की की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। यह फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज टाल दी है। इसके साथ 'छावा' की नई रिलीज तारीख का भी ऐलान हो चुका है। आइए बताते हैं यह फिल्म कब रिलीज होगी। 'छावा' को अब 14 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

नए मतदाता बनने के लिए दो लाख आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली की मतदाता सूची के पुनरीक्षण (समरी रिविजन) अभियान के तहत वोटर बनने के लिए आवेदन करने का गुरुवार को आखिरी दिन था। मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए 2.25 लाख से अधिक लोगों ने

आवेदन किया है। दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक, आवेदनों का 28 दिसंबर तक निपटारा किया जाएगा। फिर पांच जनवरी 2025 को फाइनल मतदाता सूची आएगी। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस मतदाता सूची के आधार पर चुनाव होगा। दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आर. एलिस वाज ने बताया कि मतदाता सूची समरी रिविजन के दौरान 2.25 लाख फॉर्म नाम जुड़वाने, मतदाता सूची में संशोधन और नाम हटाने के लिए आए हैं। बीते 29 अक्तूबर से यह प्रक्रिया शुरू हुई है जो कि 28 नवंबर को खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि आवेदनों का सत्यापन करने के बाद मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मतदान के दिन केवल योग्य मतदाता ही अपने अधिकारों का प्रयोग करें।

डोनाल्ड ट्रंप 'भारत के मित्र हैं': पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 'भारत के मित्र' हैं और भारत-अमेरिका की दोस्ती आगे भी बढ़ती रहेगी। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान आरोप लगाया था कि सभी प्रमुख देशों के बीच भारत विदेशी उत्पादों पर सबसे अधिक शुल्क लगाता है। उन्होंने सत्ता में आने पर जवाबी शुल्क लगाने का संकल्प जताया था। गोयल ने कहा कि आधिकारिक प्रक्रियाएं पूरी होने और नई सरकार के देश की बागडोर संभालने के बाद वह अमेरिका में अपने समकक्ष के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

एमयूडीए भूमि घोटाले में पूर्व आयुक्त से पूछताछ

मैसूरु। लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले में प्राधिकरण के पूर्व आयुक्त पीएस कांताराजू से पूछताछ की। कांताराजू सितंबर 2017 से नवंबर 2019 तक एमयूडीए के आयुक्त थे। पूछताछ के बाद लोकायुक्त पुलिस कार्यालय से बाहर निकलने पर कांताराजू ने कहा कि उन्होंने मामले से संबंधित सभी बिंदु जांच अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि मामले से जुड़े सभी निर्णय बोर्ड की बैठक में संगठित रूप से लिए गए। मालूम हो कि इस घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उनकी पत्नी पार्वती, उनके रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी और अन्य आरोपी हैं। आरोप है कि सिद्धरमैया की पत्नी से अधिगृहित जमीन के बदले उन्हें मैसूरु के एक रिहायशी इलाके में भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य अधिगृहित भूमि से कई गुना ज्यादा था।

अब समंदर से ही दुश्मन का होगा खात्मा

परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल का INS अरिघाट से सफल परीक्षण

एजेंसी | विशाखापट्टनम

इंडियन नेवी ने बुधवार को K-4 बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की। यह टेस्टिंग न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात से की गई थी। अरिघात को 2017 में लॉन्च किया गया था। इसका अपग्रेड वर्जन जल्द ही कमीशन किया जाएगा।अरिघात INS अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इसे विशाखापट्टनम में भारतीय नौसेना के शिप बिल्डिंग सेंटर (SBC) में बनाया गया था। अरिहंत की तुलना में अरिघात 3500 किलोमीटर की रेंज वाली के-4 मिसाइलों से लैस होगी। इस सबमरीन का वजन 6 हजार टन (60 हजार क्विंटल) है।

3,500 किमी रेंज, INS अरिघात से लॉन्चिंग

यह भारत की दूसरी न्यूक्लियर सबमरीन

भारत ने तैयार की परमाणु मिसाइलों से लैस 3 पनडुब्बियांकी

भारतीय नौसेना अब तक 3 न्यूक्लियर सबमरीन तैयार कर चुकी है। इसमें से एक अरिहंत कमीशंड है, दूसरी अरिघात मिलने वाली है और तीसरी S3 पर टेस्टिंग जारी है। इन सबमरीन के जरिए दुश्मन देशों पर परमाणु मिसाइल दागी जा सकती हैं। 2009 में पहली बार सांकेतिक तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर INS अरिहंत को लॉन्च किया था। इसके बाद 2016 में इसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। अगले 5 साल में दो और पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना ने लॉन्च किया है। 2009 में लॉन्च करने से पहले भारत ने पनडुब्बियों को दुनिया से छिपा रखा था। 1990 में भारत सरकार ने ATV यानी एडवांस टेक्नोलॉजी वेसल प्रोग्राम शुरू किया था। इसके तहत ही इन पनडुब्बियों का निर्माण शुरू हुआ था।

इंडियन बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम

यह डिफेंस सिस्टम अलग-अलग रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए बनाया गया है। इसके लिए दो लेयर वाली इंटरसेप्टर मिसाइलें (दुश्मन की मिसाइलों को मार गिराने वाली मिसाइलें) बनाई गई हैं।

1. पृथ्वी एयर डिफेंस (PAD)- इस डिफेंस सिस्टम की मिसाइलें बहुत अधिक ऊंचाई पर जाकर दुश्मन देश की मिसाइल या अन्य हवाई खतरे को तबाह कर सकती हैं। इसमें पृथ्वी सीरीज की सभी मिसाइलें शामिल हैं। मिसाइलों की रेंज 300 से 2000 किमी होती है। ये जमीन से 80 किलोमीटर ऊपर टारगेट को नष्ट कर सकती हैं। इनकी स्पीड करीब 6000 किमी/घंटा होती है।

2. एडवांस्ड एयर डिफेंस (AAD)- इसकी मिसाइलें कम ऊंचाई वाले टारगेट्स को मार गिराने के लिए बनाई गई हैं। ये मिसाइलें सिस्टम 5000 किमी या उससे ज्यादा दूरी से आने वाले हवाई खतरों को हवा में ही गिरा सकती हैं। ये 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक के टारगेट को गिरा सकती हैं। इनकी रेंज 150 से 200 किमी और स्पीड 5500 किमी/घंटा होती है।

'ऐसा आदेश पारित करेंगे कि डीजीपी को जिंदगी भर याद रहेगा'

यूपी पुलिस पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

यूपी पुलिस के काम करने और केस को निपटाने के तरीके पर सुप्रीम कोर्ट भड़क गया। यूपी पुलिस को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर याचिकाकर्ता को छुआ गया तो ऐसा आदेश पारित करेंगे कि डीजीपी को जिंदगी भर याद रहेगा। कोर्ट ने कहा, यूपी पुलिस सत्ता का आनंद ले रही है, उसे संवेदनशील बनाने की जरूरत है। यूपी पुलिस खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। गैंगस्टर अनुराग दुबे की गिरफ्तारी से पहले जमानत अर्जी की सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां ने यह टिप्पणी की।

सख्त लहजे में चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता अनुराग दुबे के खिलाफ पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज की हैं। उसको डर है कि अगर वह जांच के लिए पेश हुआ तो उसके खिलाफ नया मामला दर्ज किया जाएगा। कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए कहा, याचिकाकर्ता को जांच अधिकारी द्वारा उसके मोबाइल फोन पर दिए गए किसी भी नोटिस का पालन करना चाहिए, हालांकि कोर्ट की अनुमति के बिना उसे पुलिस हिरासत में नहीं लिया जाएगा। याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राणा मुखर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि कोर्ट के पिछले आदेश के बाद याचिकाकर्ता को नोटिस भेजा गया, लेकिन वह जांच अधिकारी सामने पेश नहीं हुआ। इसके बजाय हलफनामा भेजा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा, याचिकाकर्ता शायद इस डर में जी रहा है कि यूपी पुलिस उसके खिलाफ एक ओर झूठा मामला दर्ज कर देगी। यूपी पुलिस की ओर से पेश हो रहे वकील से सुप्रीम कोर्ट के जज ने पूछा आप कितने मामले दर्ज करेंगे? यूपी पुलिस पर भड़कते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा, आप अपने डीजीपी को बताएं, अगर याचिकाकर्ता दुबे को छुआ तो हम ऐसा आदेश पारित करेंगे जो जिंदगी भर याद रहेगा। हर बार आप उसके खिलाफ एक नई एफआईआर लेकर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दुबे के वकील से पूछा कि वे क्यों पेश नहीं हो रहे हैं। इस पर वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके पास इस संबंध में कोई निर्देश नहीं है। हालांकि दुबे ने पुलिस अफसरों को अपना मोबाइल नंबर दिया है, जिससे वे उसे सूचित कर सकें कि उसे कब और कहां पेश होना है?

NIA के हाथ लगी बड़ी कामयाबी

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी सलमान को लाया जा रहा भारत

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी मिली है। प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकवादी सलमान रहमान खान को रवांडा से भारत लाया गया है। सलमान को बेंगलुरु जेल आतंकी साजिश मामले आरोपी बनाया गया था। जांच में कट्टरपंथ और आतंकी गुर्गों को विस्फोटकों की आपूर्ति में उसकी संलिप्तता का पता चला था। दरअसल, रवांडा जांच ब्यूरो (आरआईबी) इंटरपोल और नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी) की मदद से सलमान रहमान खान को कल रवांडा की राजधानी किगाली में गिरफ्तार किया गया था। वहीं, गुरुवार को उसको भारत लाया गया है। यहां पर आतंकी सलमान को औपचारिक रूप से एनआईए को सौंप दिया गया।

पहले बेंगलुरु जेल में बंद था सलमान

बता दें कि सलामान बेंगलुरू की सेंट्रल जेल में बंद था। वहां पर वह साल 2018 से 2022 के बीच POCSO एक्ट के तहत सजा काट रहा था। इसी दौरान वह सलमान टी नसीर के संपर्क में आया, जो आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक दोषी आतंकवादी है। जांच में यह पता चला की नासिर ने सलमान को कट्टरपंथी बनाने और जेल की दीवारों के भीतर ही एक आतंकी मॉड्यूल को अंजाम देने में भूमिका निभाई थी।

जनता के मुद्दे संसद में उठाना मेरी प्राथमिकता रहेगी : प्रियंका गांधी

- **हाथ में संविधान की प्रति लेकर वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद ने ली लोकसभा सदस्यता की शपथ**
- **महाराष्ट्र के नांदेड़ से निर्वाचित कांग्रेस नेता रवींद्र चव्हाण ने भी शपथ ली**

एजेंसी | नई दिल्ली

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को निचले सदन की सदस्यता की शपथ ली। इसके बाद उन्होंने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी। वह संविधान के उसूलों के लिए लड़ाई लड़ेंगी। प्रियंका ने हिंदी भाषा में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी। प्रियंका जब शपथ लेने के लिए खड़ी हुईं तो कांग्रेस सांसदों ने 'जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो के नारे लगाए। महाराष्ट्र के नांदेड़ से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए कांग्रेस नेता रवींद्र बसंतराव चव्हाण ने भी सदन की सदस्यता की शपथ ली। उन्होंने मराठी भाषा में शपथ ली। चव्हाण के पिता बसंतराव चव्हाण के निधन के कारण नांदेड़ में उपचुनाव हुआ था।

संविधान के उसूलों के लिए लड़ाई लड़ूंगी : प्रियंका गांधी

शपथ के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, हमारे लिए संविधान से ऊपर कुछ नहीं है। हम संविधान के उसूलों के लिए लड़ते हैं और लड़ते रहेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह भी कहा कि उनके सदन में पहुंचने से राहुल गांधी और कांग्रेस/को मजबूती मिलेगी।

हाथ जोड़कर किया अभिवादन

शपथ ग्रहण के बाद 52 वर्षीय प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। उन्होंने विपक्ष और सत्तापक्ष में अग्रिम पंक्ति में बैठे नेताओं की ओर हाथ जोड़कर अभिवादन किया और सदन में नेता प्रतिपक्ष तथा उनके भाई राहुल गांधी ने भी हाथ जोड़कर प्रियंका का अभिवादन स्वीकार किया।

केरल की पारंपरिक कसाउ साड़ी पहनी

शपथ के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रियंका को बधाई देते हुए गले भी लगाया। प्रियंका गांधी ने लोकसभा में अपने पहले दिन क्रीम कलर की केरल की पारंपरिक कसाउ साड़ी पहन रखी थी। शपथ लेने से पहले और बाद में भी वह विपक्ष की तरफ चौथी पंक्ति में बैठी थीं। कांग्रेस महासचिव के शपथ ग्रहण के अवसर पर उनकी मां और पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, उनके पति रॉबर्ट वाड्रा, पुत्र रेहान राजीव वाड्रा, पुत्री मिराया वाड्रा, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला और पार्टी के कुछ अन्य नेता सदन की दर्शक दीर्घा में मौजूद थे।

पहली बार किसी सदन की सदस्य बनी प्रियंका : मालूम हो कि राहुल गांधी इस साल हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल के वायनाड से विजयी हुए थे। उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी जिसके बाद यहां उपचुनाव हुआ। यह पहली बार है कि संसद में गांधी-नेहरू परिवार के तीन सदस्य हैं। प्रियंका के भाई राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं तथा उनकी मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं। प्रियंका वायनाड लोकसभा उपचुनाव में चार लाख से अधिक मतों के अंतर से जीती हैं। वह पहली बार किसी सदन की सदस्य बनी हैं।

...और कहते हैं 'इंसान' हैं हम

टॉयलेट में बहा दिया नवजात

रामनगर। कर्नाटक के रामनगर जिले के हारोहल्ली में एक भयावह घटना सामने आई। एक नवजात शिशु को अस्पताल के शौचालय में बहा दिया गया। शिशु का शव अस्पताल के भूतल पर स्थित शौचालय में मिला। जब शौचालय में रुकावट देखी गई, तो सफाई कर्मचारियों और प्लंबर को इसे ठीक करने के लिए कहा गया। जब वह लाइन को ठीक कर रहे थे तो पहले उन्हें लगा की कोई कपड़ा फंस गया है, लेकिन बाद में पता चला की नवजात का शव फंसा हुआ है।

- **प्लंबर ने पाइप लाइन खोली तो दिखा शिशु का शव**

उपकरणों की मदद से निकाला शव

पुलिस के अनुसार, वहां मौजूद सफाई कर्मचारी, प्लंबर और अन्य लोग नवजात शिशु का शव वहां देखकर चौंक गए। शौचालय में रुकावट पैदा करने वाले पदार्थों को बाहर निकालने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। शव पूरी तरह से फूल गया था, जिसकी वजह से पानी फ्लोर तक बहने लगा।

इस संबंध में पूछताछ शुरू

पुलिस को संदेह है कि आरोपियों ने बच्चे के जन्म की बात छिपाने की कोशिश की होगी। इस घटना से लोगों में आक्रोश है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की गतिविधियों के बारे में सुराग के लिए अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

हर एंगल पर जांच कर रही पुलिस

पुलिस ने कहा कि उन्हें नवजात शिशु के लापता होने के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है और उन्हें संदेह है कि अपराध में मां शामिल है या बच्चे को किसी अन्य स्थान से यहां लाया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

दिल्ली-NCR में लागू रहेंगी GRAP-4 की पाबंदियां

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में 2 दिसंबर तक ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू रहेंगी। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि बस स्कूलों को प्रतिबंध से छूट रहेगी। इसका मतलब है कि दिल्ली-एनसीआर में स्कूल हाइब्रिड मोड में चलते रहेंगे जैसा कि जैसा कि कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने सिफारिश की थी। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि स्कूलों से संबंधित उपायों को छोड़कर ग्रैप-4 के तहत सभी पाबंदियां दो दिसंबर तक लागू रहेंगी। इस बीच सीएक्यूएम को बैठकें करके सलाह देने को कहा है कि ग्रैप-4 से ग्रैप-3 या 2 की तरफ किस तरह बढ़ा जाए। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि 'कोर्ट कमिश्नर' की रिपोर्ट से पता चलता है कि अधिकारी ग्रैप-4 के तहत पाबंदियों को सही तरीके से लागू करने में 'पूरी तरह विफल' रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि 'ग्रैप-4' की पाबंदियों को सुनिश्चित करने में 'गंभीर चूक' करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लानी चाहिए।